भोपाल, मंडला, जबलपुर, कटनी, इंदौर, मुंबई, दिल्ली, रायपुर, नरसिंहपुर, सिवनी से एक साथ प्रकाशित

yashbharat.co.in

नये जमाने के साथ..

यश भारत

● वर्ष-12 अंक-308 ● भोपाल ●गुरुवार , 12 नवम्बर , 2026 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ●कार्तिक शुक्ल पक्ष 2 ● विक्रम संवत् 2083

हार मान लेना कमजोरी है, और आगे बढ़ना ताकत की निशानी है।



रसगुल्ला समझकर मुंह में रखा, चबाते ही फटा सुअरमार बम, युवक की मौत

परिचित पर मिठाई बताकर विस्फोटक खिलाने का आरोप, जबड़ा बुरी तरह क्षतिग्रस्त; हत्या और विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज

डिंडौरी, यशभारत। मध्यप्रदेश के डिंडौरी जिले के पड़रिया छांटा गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक युवक को उसके ही परिचित ने कथित तौर पर रसगुल्ला बताकर सुअरमार बम दे दिया। युवक ने मिठाई समझकर उसे मुंह में रखा और जैसे ही दांतों से दबाया, जोरदार धमाका हो गया। विस्फोट इतना भीषण था कि युवक का जबड़ा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। गंभीर हालत में परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या और विस्फोटक अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, पड़रिया छांटा निवासी राजेंद्र बरौतिया (35) मंगलवार शाम करीब सात बजे परिवार के साथ खाना खाने के बाद घर के आंगन में आग ताप रहा था। इसी दौरान रात करीब आठ बजे गांव का ही रामभगत बरौतिया उसके पास पहुंचा। दोनों के बीच बातचीत चल रही थी। आरोप है कि इसी दौरान रामभगत ने अपने पास रखा सुअरमार बम राजेंद्र को रसगुल्ला बताकर खाने के लिए दे दिया। राजेंद्र ने भी परिचित की बात पर भरोसा करते हुए उसे मिठाई समझकर मुंह में रख लिया। जैसे ही उसने दांतों से उसे दबाया, तेज धमाके के साथ विस्फोट हो गया। अचानक हुए धमाके से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और राजेंद्र गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। विस्फोट में राजेंद्र का जबड़ा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। परिजन आनन-फानन में उसे ऑटो से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उपचार शुरू किया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली थाना प्रभारी दुर्गा प्रसाद नगपुरे के अनुसार, मामले में रामभगत बरौतिया के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 और विस्फोटक अधिनियम की धारा 3 एवं 4 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। फिलहाल घटना के पीछे की वजह और विस्फोटक युवक को किस परिस्थिति में दिया गया, इसकी जांच की जा रही है।

किश्तवाड़ से लापता दो SPO के गोलियों से छलनी शव बरामद, हथियार नहीं मिले





किश्तवाड़ , एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले से अचानक लापता हुए दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर (एसपीओ) के शव बरामद होने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया है। दोनों के शव गोलियों से छलनी हालत में बरामद किए गए हैं. खास बात यह है कि उनके सर्विस हथियार मौके से नहीं मिले हैं. इससे घटना में आतंकियों की संलिप्तता की आशंका जताई जा रही है. हालांकि, अधिकारियों ने अभी किसी आतंकी हमले की पुष्टि नहीं की है. मृतकों की पहचान ऋषिपाल और बॉबी चंद के रूप में हुई है। दोनों स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) का हिस्सा थे और सेना के एक दल को रिलीव करने के लिए जा रहे थे। उनके शव मिलने के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार, किश्तवाड़ जिले के मारवाह क्षेत्र के देहरना जंगल में फायरिंग की आवाज सुनाई देने के बाद दोनों एसपीओ अचानक लापता हो गए थे। दोनों कियार दच्छन से अपर रिज देहरना के इंदरवन इलाके में बसनान स्थित सेना की 17 राष्ट्रीय राइफल्स की एक टीम को रिलीव करने के लिए रवाना हुए थे। अधिकारियों के मुताबिक, वे कियार कैंप से ढारना-मारवाह स्थित सेना की चौकी की ओर निकले थे, लेकिन निर्धारित स्थान पर नहीं पहुंचे। शुरुआत में दोनों जवानों के मोबाइल फोन पर संपर्क हो रहा था, लेकिन कुछ समय बाद उनके फोन बंद हो गए। इसके बाद उनकी सुरक्षा और ठिकाने को लेकर चिंता बढ़ गई। पुलिस और सेना की राष्ट्रीय राइफल्स ने संयुक्त रूप से दुर्गम पर्वतीय और जंगल क्षेत्रों में व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। आसपास के इलाकों में सुरक्षा बलों की टीमें तैनात कर दोनों की तलाश की जा रही थी। आखिरकार तलाशी अभियान के दौरान दोनों के शव बरामद हुए। सूत्रों के मुताबिक, दोनों के शरीर पर गोलियों के निशान मिले हैं। इस घटना ने किश्तवाड़ जिले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि घटना के पीछे की वास्तविक परिस्थितियों और संभावित आतंकी संलिप्तता के बारे में अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। जांच के बाद ही हत्या के कारणों और इसमें शामिल लोगों के बारे में स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। गौरतलब है कि हाल के दिनों में जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में भी सीआरपीएफ कैंप पर आतंकी हमला हुआ था, जिसमें तीन जवान घायल हुए थे। ऐसे में किश्तवाड़ में दो एसपीओ की हत्या ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा दी है।

कुलगाम में आतंकियों की बड़ी साजिश नाकाम, जवानों की त्वरित कार्रवाई से टला बड़ा नुकसान



जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में सुरक्षाबलों ने सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से आतंकियों की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया। अखरान इलाके में एसएसबी कैंप पर एके-47 से लैस दो आतंकियों ने हमला किया था। हमले में एसएसबी के तीन जवान घायल हो गए, जिनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। अब इस हमले का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें सुरक्षाबलों की मुस्तैदी और आतंकियों के हमले के तुरंत बाद की गई जवाबी कार्रवाई साफ दिखाई दे रही है। जवानों की तेजी से की गई घेराबंदी के कारण आतंकी आगे नहीं बढ़ सके और उन्हें अपना मकसद पूरा किए बिना मौके से भागना पड़ा।सामने आए सीसीटीवी फुटेज में दिखाई देता है कि जैसे ही कैंप पर हमला होता है, सुरक्षाबल तत्काल सक्रिय हो जाते हैं। जवान पूरे इलाके की घेराबंदी करते हुए हमलावरों की गतिविधियों पर नजर रखते हैं। वहीं, हमले में घायल जवानों की मदद के लिए सुरक्षाकर्मी तेजी से घटनास्थल की ओर बढ़ते दिखाई देते हैं। कुछ ही सेकंड में की गई इस कार्रवाई ने आतंकियों की आगे बढ़ने की कोशिश को नाकाम कर दिया। सुरक्षाबलों की मुस्तैदी के चलते हमलावरों को पीछे हटना पड़ा और संभावित बड़े नुकसान को टाल दिया गया। जानकारी के मुताबिक, हमले से कुछ घंटे पहले ही सुरक्षाबलों को इलाके में संदिग्ध गतिविधियों के बारे में खुफिया सूचना मिली थी। हालांकि, आतंकियों के निशाने पर कौन-सा ठिकाना है, इसकी सटीक जानकारी नहीं थी। जांच एजेंसियों के प्रारंभिक आकलन के अनुसार, हमला सुनियोजित था और इसका उद्देश्य सुरक्षाबलों को अधिकतम नुकसान पहुंचाना था। हमले में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों की भूमिका होने का संदेह जताया जा रहा है। घटना के बाद फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं और हमले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

शेयर बाजार में बुल्स की वापसी, लाल से हरे निशान में आए सेंसेक्स-निफ्टी, निवेशकों में दिखा उत्साह

मुंबई, यशभारत। भारतीय शेयर बाजार ने आज एक बार फिर अपनी जबरदस्त ताकत दिखाई है। दिन की शुरुआत में कमजोर संकेतों और बिकवाली के चलते बाजार लाल निशान में फिसलता नजर आ रहा था, लेकिन सत्र आगे बढ़ते ही बुल्स ने जोरदार वापसी की। निवेशकों की सुस्ती जल्द ही उत्साह में बदल गई क्योंकि बाजार ने अपनी शुरुआती सारी गिरावट को पूरी तरह धो डाला और प्रमुख सूचकांक हरे निशान में कारोबार करने लगे। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 134.09 अंक यानी 0.16 फीसदी की बढ़त के साथ 82,013.49 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं, निफ्टी ने भी रफ्तार पकड़ते हुए 34.35 अंक या 0.14 फीसदी की तेजी दर्ज की और यह 25,289.40 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार के एडवांस-डिक्लाइन रेशियो ने खरीदारों की मजबूत पकड़ को साबित किया। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, बाजार में 2,033 शेयरों में तेजी दर्ज की गई, जबकि 728 शेयरों में गिरावट रही और 163 शेयर बिना किसी बदलाव के सपाट बने रहे।





नवंबर में ही कांपने लगा मध्यप्रदेश, सीजन में पहली बार 10 डिग्री से नीचे पहुंचा पारा

अगले चार दिन में एक से दो डिग्री तक और गिरेगा तापमान, उत्तर भारत की बर्फबारी के बाद बढ़ेगी ठिठुरन

***भोपाल, एजेंसी।** मध्यप्रदेश में नवंबर की शुरुआत के साथ ही सर्दी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। प्रदेश में इस सीजन में पहली बार न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। शहडोल के कल्याणपुर में रात का पारा 9.9 डिग्री दर्ज किया गया, जो फिलहाल प्रदेश में सबसे कम है। लगातार गिरते तापमान के कारण कई इलाकों में रात और सुबह ठंड का असर बढ़ने लगा है। मौसम विभाग ने अगले चार दिनों में न्यूनतम तापमान में एक से दो डिग्री सेल्सियस तक और गिरावट आने का अनुमान जताया है। ऐसे में नवंबर के दूसरे पखवाड़े से प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ने के आसार हैं।*

बीती रात शहडोल संभाग के इलाकों में ठंड का सबसे ज्यादा असर देखने को मिला। शहडोल के कल्याणपुर में न्यूनतम तापमान 9.9 डिग्री, अनूपपुर के अमरकंटक में 10.1 डिग्री और कटनी के करौंदी में 10.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इन तीनों स्थानों पर रात का तापमान 11 डिग्री से नीचे रहा। दमोह में भी पारा गिरकर 11.5 डिग्री पर पहुंच गया। प्रदेश में ठंड का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एकमात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी के मुकाबले इंदौर में रात ज्यादा ठंडी रही। इंदौर में न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि पचमढ़ी में पारा 13.2 डिग्री रहा। इसके अलावा छिंदवाड़ा में न्यूनतम तापमान 12.6 डिग्री, रायसेन में 12.8 डिग्री, जबलपुर और मंडला में 13.2 डिग्री, नौगांव में 13.4 डिग्री तथा रीवा में 13.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। राजधानी भोपाल में रात का तापमान 14.2 डिग्री रहा। मौसम विभाग के मुताबिक प्रदेश के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे बना हुआ है। शहडोल संभाग में रात का पारा सामान्य से करीब दो डिग्री कम, जबकि भोपाल संभाग में सामान्य से 1.9 डिग्री नीचे दर्ज किया गया है।

उत्तर भारत की बर्फबारी के बाद बढ़ेगी ठंड

मध्यप्रदेश में तापमान गिरने के पीछे उत्तर भारत में सक्रिय मौसमी परिस्थितियों को भी अहम माना जा रहा है। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में बर्फबारी शुरू हो गई है। मौसम विभाग के अनुसार 13 नवंबर तक पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में बारिश और बर्फबारी की संभावना है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ इलाकों में भारी बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर भारत में मौसमी गतिविधियां समाप्त होने के बाद वहां से आने वाली ठंडी उत्तरी हवाओं का असर मध्यप्रदेश में भी दिखाई देगा। इससे रात के तापमान में और गिरावट होने की संभावना है(मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले चार दिनों में प्रदेश के कई शहरों में न्यूनतम तापमान एक से दो डिग्री तक और नीचे जा सकता है। नवंबर के दूसरे पखवाड़े में ठंड का असर और तेज होने की संभावना है। ऐसे में आने वाले दिनों में रात के साथ सुबह की ठिठुरन भी बढ़ेगी। फिलहाल प्रदेश में सर्दी की शुरुआत ने ही लोगों को गर्म कपड़े निकालने पर मजबूर कर दिया है।

ISIS से जुड़े विद्रोहियों का खूनी हमला, कांगो में की 22 लोगों की हत्या; 10 से ज्यादा का अपहरण

इतुरी, एजेंसी। कांगो के पूर्वी हिस्से में इस्लामिक स्टेट यानी कि ब्रुस्कुर से जुड़े विद्रोहियों ने एक बार फिर खूनी हमले किए हैं। पिछले 2 दिनों में विद्रोहियों ने युगांडा की सीमा के पास स्थित कई दूरदराज के गांवों को निशाना बनाया। नागरिक संगठनों ने बुधवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इन हमलों में कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से ज्यादा लोगों का अपहरण कर लिया गया। हमलों के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। बता दें कि कुछ ही दिन पहले एक और अफ्रीकी देश नाइजीरिया में भी कत्लेआम हुआ था और 62 लोगों की हत्या कर दी गई थी।नागरिक संगठनों और मानवाधिकारों पर नजर रखने वाले दो समूहों के मुताबिक, ये हमले कांगो के पूर्वी इतुरी प्रांत के मंबासा इलाके में 8 अलग-अलग स्थानों पर किए गए। हमलों को अंजाम देने वाले विद्रोही संगठन का नाम एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेज या एडीएफ है। यह संगठन लंबे समय से इस क्षेत्र में सक्रिय है और आम नागरिकों को निशाना बनाता रहा है।

50 हजार की रिश्वत लेते डाक अधीक्षक गिरफ्तार, सहयोगी क्लर्क भी पकड़ा

मोतिहारी, एजेंसी। बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चंपारण प्रमंडल के डाक अधीक्षक संजीव शरण सुमन को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में उनके सहयोगी क्लर्क अभिषेक को भी गिरफ्तार किया गया है। पटना से पहुंची सीबीआई की 10 सदस्यीय टीम ने शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद टीम अपने साथ पटना ले गई। कार्रवाई की खबर फैलते ही डाक विभाग में हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक, मलाही डाकघर में पदस्थ कर्मचारी राहुल झा ने डाक अधीक्षक के खिलाफ सीबीआई से शिकायत की थी। शिकायत में रिश्वत मांगे जाने का आरोप लगाया गया था। इसके बाद पटना से सीबीआई की 10 सदस्यीय टीम मोतिहारी पहुंची और मामले की जांच के बाद कार्रवाई की तैयारी की।

महाराष्ट्र तीन समुद्र तटों को मिला अंतरराष्ट्रीय ब्लू फ्लैग सम्मान

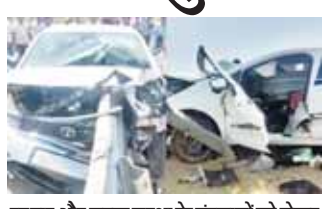
मुंबई, यशभारत। महाराष्ट्र पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। राज्य के तीन समुद्र तटों को पहली बार प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय ब्लू फ्लैग प्रमाणन मिला है। इनमें रत्नागिरी जिले के लाडघर और गुहागर तथा रायगढ़ जिले का श्रीवर्धन समुद्र तट शामिल हैं। वर्ष 2026-27 के लिए मिली इस मान्यता से अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर महाराष्ट्र की पहचान और मजबूत होने की उम्मीद है।अंतरराष्ट्रीय ब्लू फ्लैग जूरी ने निर्धारित गुणवत्ता मानकों के आधार पर इन समुद्र तटों का चयन किया है। इसके लिए समुद्र तटों की स्वच्छता, पानी की गुणवत्ता, जैव विविधता का संरक्षण, पर्यटकों की सुरक्षा, बुनियादी सुविधाओं और सतत पर्यटन प्रबंधन जैसे मानकों को आधार बनाया गया। इस उपलब्धि के पीछे राज्य के पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन, स्थानीय निकायों, ग्राम पंचायतों और बीच मैनेजमेंट कमेटियों के संयुक्त प्रयास रहे हैं।

मुरैना में तेज रफ्तार बस का कहर

मध्यप्रदेश में दो भीषण सड़क हादसे, दो मासूम भाई बहन सहित पिता-पुत्र की मौत, तीन गंभीर घायल

रतलाम में 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर रेलिंग चीरती हुई कार में घुसी

रतलाम, मुरैना ,यशभारत। मध्यप्रदेश में बुधवार को दो अलग-अलग जिलों में हुए भीषण सड़क हादसों ने चार परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया। रतलाम में दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर लोहे की रेलिंग से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि रेलिंग का हिस्सा कार को चीरता हुआ भीतर तक घुस गया। हादसे में 13 वर्षीय सागर और उसकी 6 वर्षीय बहन विधि की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनके माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं मुरैना जिले में तेज रफ्तार बस ने सड़क किनारे खड़े एक ही परिवार के तीन लोगों को टक्कर मार दी। इस हादसे में 35 वर्षीय पिता रघुराज कुशवाहा और उनके 14 वर्षीय बेटे लवकुश की मौत हो गई, जबकि बुजुर्ग दादी लोहरी बाई गंभीर रूप से घायल हैं। दोनों घटनाओं में तेज रफ्तार और सड़क सुरक्षा के इंतजामों को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। रतलाम जिले में पहला हादसा जावरा के बड़ावदा चौराहे के पास दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस-वे पर बुधवार सुबह हुआ। जानकारी के अनुसार गुजरात के हारोल में रहने वाला वर्मा परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के उन्नाव का निवासी है। परिवार के मुखिया राजाबाबू वर्मा बुधवार सुबह करीब 4:30 बजे अपनी कार से गांव जाने के लिए निकले थे। कार में उनकी पत्नी रिषु वर्मा (42), बेटा सागर और बेटी विधि सवार थे। बताया गया कि एक्सप्रेस-वे पर कार करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ रही थी। इसी दौरान चालक का नियंत्रण बिगड़ने से कार सड़क किनारे लगी लोहे की रेलिंग से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि रेलिंग का हिस्सा कार को चीरता हुआ अंदर तक घुस गया। हादसे में दोनों बच्चों की जान चली गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को जावरा अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद राजाबाबू और उनकी पत्नी को रतलाम मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया। रिषु की हालत गंभीर बताई जा रही है। दूसरी घटना मुरैना जिले में नेशनल हाईवे स्थित कुल्हैली मोड़ पर बुधवार दोपहर करीब एक बजे हुई। यहां सबलगढ़ से मुरैना की ओर जा रही तेज रफ्तार बस ने सड़क किनारे खड़े एक ही परिवार के तीन लोगों को टक्कर मार दी। जानकारी के अनुसार बामसोली क्षेत्र के नंदापुरा निवासी 60 वर्षीय लोहरी बाई कुशवाहा अपने 14 वर्षीय नाती लवकुश के साथ कुतघान गांव में गोवर्धन पूजा का निमंत्रण खाने गई थीं। वहां से उन्हें पंचमपुरा पहाड़गढ़ जाना था। इसी दौरान उनका 35 वर्षीय बेटा रघुराज कुशवाहा भी करजौनी में बाबू बाबा की जात करके बाइक से कुल्हैली मोड़ पहुंच गया। वह अपनी मां को दौज पर उनके मायके पंचमपुरा ले जाने की तैयारी कर रहा था। बताया गया कि तीनों को प्यास लगी थी। इसी दौरान रघुराज का चचेरा भाई सत्यवीर कुशवाहा पानी लेने के लिए सड़क के दूसरी ओर चला गया। तभी बस क्रमांक एमपी 06 पी 5277 के चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाते हुए सड़क किनारे खड़े रघुराज, लोहरी बाई और लवकुश को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में रघुराज की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल लवकुश और उसकी दादी को कैलारस अस्पताल ले जाया गया।





बंटवारे के बाद पोता दादा की संपत्ति में नहीं मांग सकता हिस्सा

सुप्रीम कोर्ट बोला- पिता को मिला हिस्सा निजी संपत्ति, जन्म से नहीं बनता अधिकार



नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने पैतृक संपत्ति में पोते के अधिकार को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि दादा की मृत्यु के बाद उनकी संपत्ति हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 8 के तहत कानूनी वारिसों में बंट चुकी है, तो पोता केवल जन्म के आधार पर उसमें अपना हिस्सा नहीं मांग सकता। बंटवारे में पिता को मिला हिस्सा उनकी व्यक्तिगत संपत्ति माना जाएगा और वह अपने बच्चों के लिए स्वतः संयुक्त परिवार की संपत्ति नहीं बन जाता। जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और जस्टिस सुनीता अग्रवाल की पीठ ने चेन्नई की 1,811 वर्गफीट की संपत्ति से जुड़े मामले में यह फैसला सुनाया। निर्णय 6 नवंबर को दिया गया, जिसकी जानकारी 11 नवंबर को सामने आई।

यह था पूरा मामला

चेन्नई में स्थित इस संपत्ति के मूल मालिक पोते के दादा थे। दादा की मृत्यु के बाद उनकी बेटी यानी पोते की बुआ ने 1993 में संपत्ति के बंटवारे का मुकदमा दायर किया। फरवरी 1994 में समझौते के जरिए संपत्ति का बंटवारा हुआ, जिसमें पोते के पिता को भी हिस्सा मिला। इसके बाद पिता ने अप्रैल 1997 में दो सेल डीड के माध्यम से अपना हिस्सा बेच दिया।जनवरी 1994 में जन्मे पोते ने अपनी मां के जरिए 1997 में बंटवारे का मुकदमा दायर किया था। उसका दावा था कि उसे जन्म से ही दादा की संपत्ति में सहदायिक अधिकार प्राप्त है और पहले हुए बंटवारे में उसे शामिल नहीं किया गया। इसलिए उसे भी संपत्ति में आधा हिस्सा मिलना चाहिए।

1986 के फैसले का दिया हवाला

सुप्रीम कोर्ट ने पोते की दलील खारिज करते हुए कहा कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम की धारा 8 के तहत दादा की संपत्ति उनके क्लास-1 कानूनी वारिसों को मिली थी। इनमें बेटा, बेटी, पत्नी और मां शामिल हैं। इस व्यवस्था के तहत पिता को मिला हिस्सा उनकी व्यक्तिगत संपत्ति बन गया था। ऐसी संपत्ति बच्चों के लिए स्वतः संयुक्त हिंदू परिवार की संपत्ति नहीं बनती।

सोनिया ने 1984 के सिख कत्लेआम पर जनरल वैद्य को ठहराया जिम्मेदार, फूलका ने उठाए सवाल



लुधियाना, एजेंसी। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉनिंग-ए जर्नी ऑफ लव' के 17वें अध्याय में 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर किए गए खुलासों से पंजाब की राजनीति में विवाद खड़ा हो गया है। सोनिया गांधी ने अपनी किताब में दावा किया है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद दिल्ली में भड़की हिंसा को नियंत्रित करने के लिए सेना बुलाने के आदेश 31 अक्टूबर की रात ही दे दिए गए थे, लेकिन तत्कालीन थल सेनाध्यक्ष जनरल एएस वैद्य ने दिल्ली के नजदीकी सैन्य ठिकानों से सेना बुलाने के बजाय देहरादून से सैन्य टुकड़ियां मंगवाईं। इस फैसले के कारण सेना की तैनाती में देरी हुई और हिंसा पर काबू पाने में समय लगा।

सोनिया गांधी के इन दावों पर भाजपा नेता और 1984 के सिख दंगा पीड़ितों की ओर से कानूनी लड़ाई लड़ने वाले वरिष्ठ अधिवक्ता एचएस फूलका ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब दिल्ली में पहले से ही करीब 6100 सैनिक मौजूद थे, तो उन्हें दंगों के दौरान सड़कों पर क्यों नहीं उतारा गया? फूलका ने यह भी सवाल किया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने हिंसा के बाद यह बयान क्यों दिया था कि जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती थोड़ी हिलती है। उन्होंने कहा कि इस बयान के जरिए सिखों के नरसंहार को जायज ठहराने की कोशिश की गई थी। ऐसे में केवल सेना की देरी को जिम्मेदार बताकर उस समय की राजनीतिक और प्रशासनिक जवाबदेही से बचा नहीं जा सकता। सोनिया गांधी ने अपनी किताब में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद देशभर में बिगड़े हालात और दिल्ली में भड़की हिंसा का जिक्र करते हुए अपने परिवार का पक्ष रखा है। उन्होंने लिखा है कि 31 अक्टूबर 1984 को इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजधानी सहित देश के कई हिस्सों में तनाव फैल गया था। इस दौरान बड़ी संख्या में सिख समुदाय के लोगों को हिंसा का सामना करना पड़ा। किताब के मुताबिक, प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के तुरंत बाद 31 अक्टूबर की रात राजीव गांधी ने राष्ट्रीय टेलीविजन के माध्यम से देश को संबोधित किया था। उन्होंने लोगों से शांति बनाए रखने और संयम बरतने की अपील की थी। सोनिया गांधी का दावा है कि राजीव गांधी ने एक और दो नवंबर को भी अलग-अलग माध्यमों से लोगों से हिंसा रोकने और शांति बनाए रखने की अपील की थी। सोनिया ने लिखा है कि तत्कालीन थल सेनाध्यक्ष जनरल एएस वैद्य को इंदिरा गांधी की हत्या वाली रात ही दिल्ली में सेना तैनात करने के निर्देश दे दिए गए थे।

सोना-चांदी के दामों में बड़ी गिरावट, चांदी 2 हजार रुपये तक सस्ती; शादी वाले घरों को राहत

नई दिल्ली। यशभारत। दीपावली और भाईदूज के त्योहार के बाद सराफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। गुरुवार, 12 नवंबर को कीमती धातुओं के दाम नीचे आने से आम खरीदारों और शादी-विवाह की तैयारी कर रहे परिवारों को राहत मिली है। वायदा बाजार में चांदी की कीमत में करीब 2 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट आई, जबकि सोना भी सस्ता हुआ है। शादियों का सीजन शुरू होने से पहले कीमतों में आई इस नरमी से आभूषण खरीदने की योजना बना रहे लोगों को फायदा मिल सकता है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना 689 रुपये गिरकर 1,39,028 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। वहीं चांदी की कीमत में 2 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट दर्ज की गई, जिसके बाद इसका भाव 1,82,700 रुपये प्रति किलोग्राम रह गया। हाजिर बाजार में चांदी करीब 1,83,510 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार करती नजर आई।

भाजपा को चुनौती देने के लिए नई पीढ़ी पर दांव, बोले- पटवारी और सिंघार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा अगला विधानसभा चुनाव

2028 की सियासी पिच पर पटवारी-सिंघार की जोड़ी! दिग्विजय सिंह ने खोले कांग्रेस के भविष्य के पत्ते

भोपाल, यश भारत।

मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव 2028 की सियासी बिसात अभी से बिछने लगी है। कांग्रेस ने भी आगामी चुनाव को लेकर अपनी रणनीति के संकेत देने शुरू कर दिए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के एक बयान ने प्रदेश की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। उन्होंने संकेत दिया है कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में लड़ेगी। इस बयान को प्रदेश कांग्रेस में नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है।



गुटबाजी से इनकार, युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने के संकेत

दिग्विजय सिंह इन दिनों सत्य सनातन यात्रा पर हैं। इसी दौरान उनके राजनीतिक बयानों ने कांग्रेस की भावी रणनीति को लेकर चर्चाएं तेज कर दी हैं। उन्होंने पार्टी में किसी तरह की गुटबाजी होने से इनकार करते हुए जीतू पटवारी और उमंग सिंघार की जोड़ी पर भरोसा जताया है। उनके इस बयान को राहुल गांधी से हालिया मुलाकातों के बाद कांग्रेस में नेतृत्व को लेकर बन रही नई सहमति से भी जोड़कर देखा जा रहा है। कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने भी दोनों नेताओं की सक्रियता का समर्थन किया है। उनका कहना है कि जीतू पटवारी और उमंग सिंघार अपने-अपने स्तर पर प्रभावी ढंग से काम कर रहे हैं। बेहतर प्रदर्शन के आधार पर पार्टी उन्हें भविष्य में बड़ी जिम्मेदारियां सौंप सकती है।

भाजपा ने कसा तंज, कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति पर उठाए सवाल- दिग्विजय सिंह के बयान पर भाजपा ने भी प्रतिक्रिया देने में देर नहीं की। भाजपा विधायक भगवानदास सबनानी ने इसे कांग्रेस का आंतरिक मामला बताते हुए तंज कसा। उन्होंने दिग्विजय सिंह के बयान को लेकर उनके परिवार और बेटे के राजनीतिक भविष्य पर भी कटाक्ष किया। दरअसल कांग्रेस के सामने इस समय सबसे बड़ी चुनौती प्रदेश में संगठन को मजबूत करने और भाजपा के मजबूत चुनावी ढांचे का मुकाबला करने की है। ज्योतिरादित्य सिंधिया और सुरेश पचौरी जैसे नेताओं के पार्टी से अलग होने तथा कमलनाथ की सक्रियता सीमित होने के बीच नई पीढ़ी को आगे करना कांग्रेस के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

सवाल सिर्फ चेहरे का नहीं, जीत की रणनीति का भी

दिग्विजय सिंह के बयान से यह साफ संकेत मिला है कि कांग्रेस 2028 के चुनाव में युवा नेतृत्व को आगे रखकर मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है। हालांकि, चुनावी नेतृत्व की तस्वीर और अंतिम रणनीति पर पार्टी का आधिकारिक फैसला अभी महत्वपूर्ण रहेगा।

2018 की जीत से 2023 की हार तक, कांग्रेस के सामने बड़ी चुनौती

मध्य प्रदेश की राजनीति में कांग्रेस के लिए 2028 का चुनाव आसान नहीं रहने वाला है। वर्ष 2018 में कांग्रेस ने 114 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी, लेकिन मार्च 2020 में राजनीतिक घटनाक्रम के बाद उसे सत्ता गंवानी पड़ी। इसके बाद 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने शानदार जीत दर्ज कर सत्ता में वापसी की। अब जीतू पटवारी और उमंग सिंघार के सामने पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने और जनता के बीच कांग्रेस का भरोसा दोबारा कायम करने की चुनौती होगी।

बड़ा सवाल यही है कि क्या पटवारी-सिंघार की जोड़ी कांग्रेस को सत्ता के करीब पहुंचा पाएगी या भाजपा के मजबूत संगठन के सामने उसे एक बार फिर कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। फिलहाल, दिग्विजय सिंह के बयान ने 2028 की चुनावी राजनीति का माहौल समय से पहले गर्म कर दिया है।



संभावित रेल हादसे टालने वाले भोपाल मंडल के दो रेलकर्मी सम्मानित

बीना के लोको पायलट महेंद्र सिंह यादव और गुना के ट्रेन मैनेजर संजीव मीणा को मिला संरक्षा पुरस्कार

भोपाल,यश भारत। रेल परिचालन के दौरान सतर्कता और सूझबूझ दिखाकर संभावित हादसों को टालने में अहम भूमिका निभाने वाले भोपाल मंडल के दो रेलकर्मियों को उत्कृष्ट संरक्षा जागरूकता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने बीना के लोको पायलट महेंद्र सिंह यादव और गुना के ट्रेन मैनेजर (गुड्स) संजीव कुमार मीणा को यह सम्मान प्रदान किया। दोनों कर्मचारियों ने अक्टूबर माह में ड्यूटी के दौरान तकनीकी खामियों और संभावित खतरों की समय रहते पहचान कर निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं के तहत कार्रवाई की। इससे संभावित रेल दुर्घटनाओं को टालने में मदद मिली। पश्चिम मध्य रेल के विभिन्न मंडलों के कुल छह कर्मचारियों को उत्कृष्ट संरक्षा कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। महाप्रबंधक ने कर्मचारियों की सतर्कता और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए कहा कि सुरक्षित रेल संचालन में समय पर खतरे की पहचान और त्वरित कार्रवाई बेहद जरूरी है।

छठ महापर्व को लेकर घाटों की सजावट और मरम्मत शुरू

कुंडों की रंगाई-पुताई के साथ साफ-सफाई पर जोर

भोपाल, यश भारत।

छठ महापर्व को देखते हुए नगर निगम ने शहर के विभिन्न छठ घाटों और कुंडों को व्यवस्थित करने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसके तहत घाटों पर रंगाई-पुताई साफ-सफाई और क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत का काम कराया जा रहा है। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर निगम का अमला पर्व से पहले सभी जरूरी व्यवस्थाएं पूरी करने में जुटा है। घाटों और छठ कुंडों की रंगाई-पुताई के साथ आवश्यक सिविल कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। साथ ही साफ सफाई और मरम्मत कार्य भी लगातार किए जा रहे हैं। निगम का उद्देश्य छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को स्वच्छ सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना है ताकि व्रती और श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर सकें। निगम अधिकारियों के अनुसार सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूरी करने के प्रयास किए जा रहे हैं।



बकाया कर जमा नहीं करने पर दो संपत्तियां कुर्क

अरेरा कॉलोनी और जिंसी में निगम की कार्रवाई, एक भवन सील तो दूसरे पर की कुर्की

भोपाल, यश भारत। नगर निगम ने संपत्तिकर और अन्य करों की बकाया राशि जमा नहीं करने वाले दो बकायादारों के खिलाफ कुर्की और तालाबंदी की कार्रवाई की। निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर जोन क्रमांक 10 के अमले ने यह कार्रवाई की। पहली कार्रवाई वार्ड क्रमांक 42 के जिंसी क्षेत्र में भवन ऑफिस क्रमांक 17ए पर की गई। भवन स्वामी गोविंदराम ज्ञानचंदानी पर संपत्तिकर सहित अन्य करों के 10 लाख 58 हजार 588 रुपये बकाया थे। राशि जमा नहीं करने पर निगम ने भवन को सील कर दिया। वहीं वार्ड क्रमांक 45 की अरेरा कॉलोनी ई-1 स्थित भवन क्रमांक 203 के मालिक प्रमोद तामोट पर 94 हजार 734 रुपये बकाया होने के चलते संपत्ति कुर्क की गई। निगम के अनुसार दोनों बकायादारों को पूर्व में नोटिस जारी किए गए थे लेकिन भुगतान नहीं होने पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई जोनल अधिकारी शैलेष चौहान सहित निगम अमले ने की।



फार्माकोलॉजी विभाग ने जीते तीन पुरस्कार, डॉ. चिराग अग्रवाल को दोहरी सफलता

एपीपीएससीओएन-2026 में एम्स भोपाल का शानदार प्रदर्शन

भोपाल , यश भारत।

एम्स भोपाल के फार्माकोलॉजी विभाग ने राष्ट्रीय स्तर के 8वें एपीपीएससीओएन 2026 सम्मेलन में तीन पुरस्कार हासिल कर संस्थान का गौरव बढ़ाया। एम्स मंगलगिरी में आयोजित आंध्र प्रदेश फार्माकोलॉजिकल सोसायटी के सम्मेलन में विभाग के रेजिडेंट और फैकल्टी सदस्यों ने शोध प्रस्तुतियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। जूनियर रेजिडेंट डॉ. चिराग अग्रवाल ने मौलिक शोध की मौखिक प्रस्तुति में प्रथम और मोटापे के औषधीय प्रबंधन पर समीक्षा पोस्टर प्रस्तुति में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। वहीं अतिरिक्त प्राध्यापक डॉ. अजय शुक्ला को मोटापे के उपचार में जीआईपी और जीएलपी 1 आधारित दवाओं की प्रभावशीलता पर समीक्षा के लिए प्रथम पुरस्कार मिला। इसके अलावा डॉ. अहमद नजमी ने कृत्रिम हृदय वाल्व वाले मरीजों में दवा की खुराक और आनुवंशिक भिन्नताओं पर शोध प्रस्तुत किया। विभागाध्यक्ष डॉ. बालकृष्णन एस ने आमंत्रित व्याख्यान दिया।





एम्स भोपाल में अंगदान से पांच लोगों को मिलेगी नई जिंदगी

भोपाल,यश भारत। अपनों को खोने के गहरे दुख के बीच स्वर्गीय सुमित सोनी के परिजनों ने अंगदान का साहसिक निर्णय लेकर मानवता की मिसाल पेश की। उनके इस निःस्वार्थ फैसले से पांच जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन और आंखों की रोशनी मिलने की उम्मीद जगी है। एम्स भोपाल के चिकित्सकों ने एक किडनी का सफल प्रत्यारोपण संस्थान में भर्ती मरीज में किया। वहीं दूसरी किडनी और लिवर को ग्रीन कॉरिडोर के माध्यम से प्रत्यारोपण के लिए बंसल अस्पताल भेजा गया। इसके अलावा दोनों कॉर्निया एम्स के आई बैंक में सुरक्षित रखे गए हैं, जिनसे जरूरतमंद मरीजों की आंखों की रोशनी लौटाई जा सकेगी। इस पूरी प्रक्रिया में चिकित्सकों, ट्रांसप्लांट को ऑर्डिनेटर्स अस्पताल प्रशासन और यातायात पुलिस ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वर्गीय सुमित सोनी को मध्यप्रदेश पुलिस ने गार्ड ऑफ ऑनर देकर अंतिम विदाई दी। परिजनों के इस निर्णय की व्यापक सराहना की जा रही है।

सरयू सरोवर पार्क में छठ पूजा के लिए बने दो सर्वसुविधायुक्त कुंड, पांच हजार श्रद्धालुओं को मिलेगी सुविधा



भोपाल,यश भारत।

छठ महापर्व पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नगर निगम भोपाल द्वारा विशेष तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में अयोध्या नगर स्थित सरयू सरोवर पार्क में दो सर्वसुविधायुक्त छठ कुंड विकसित किए गए हैं। पहले यहां केवल एक कुंड की व्यवस्था थी जिसे बढ़ाकर अब दो कर दिया गया है। साथ ही पूरे पार्क को भी आकर्षक स्वरूप प्रदान किया गया है। नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निर्देश पर छठ पूजा की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। इसके तहत शहर के पुराने एवं परंपरागत छठ कुंडों और घाटों की रंगाई पुताई क्षतिग्रस्त हिस्सों की मरम्मत तथा आवश्यक सिविल कार्य प्राथमिकता से कराए जा रहे हैं। वार्ड क्रमांक 68 के सरयू सरोवर पार्क में विकसित किए गए इन नए कुंडों से छठ व्रतियों और श्रद्धालुओं को पूजा अर्चना में सुविधा मिलेगी। निगम के अनुसार यहां पांच हजार से अधिक श्रद्धालु सुगमता से छठ पूजा के कार्यक्रमों में शामिल हो सकेंगे।

कॉमनवेल्थ कराटे चैंपियनशिप में चमके मप्र के खिलाड़ी

गर्गी सिंह ने दो और अमेय कटारे ने जीता एक कांस्य पदक, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया देश का मान

भोपाल,यश भारत। स्कॉटलैंड में आयोजित 12वीं कॉमनवेल्थ कराटे चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन कांस्य पदक हासिल किए। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की कराटे अकादमी भोपाल की खिलाड़ी गर्गी सिंह परिहार ने दो कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। वहीं अमेय कटारे ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए एक कांस्य पदक अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। इस सफलता में कोच दीपक सिंह और कुलदीप सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उनके मार्गदर्शन में खिलाड़ी लगातार अभ्यास कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उपलब्धियां हासिल कर रहे हैं। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर कराटे अकादमी परिवार ने उन्हें बधाई दी। साथ ही खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सहयोग और प्रोत्साहन के प्रति आभार जताया। खिलाड़ियों की सफलता को प्रदेश की खेल प्रतिभा के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।



सीमांकन के लिए 15 दिन का विशेष अभियान, शत-प्रतिशत कार्रवाई के निर्देश

भोपाल , यश भारत।

संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने भोपाल संभाग के सभी जिलों में सीमांकन के लंबित मामलों के निराकरण के लिए 15 दिन का विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नामांतरण और बंटवारे के 50 दिन से अधिक समय से लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करने को कहा। भोपाल जिले में नामांतरण के 14 हजार 661 लंबित मामलों पर उन्होंने नाराजगी जताई। बुधवार को राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक में संभागायुक्त ने समय-सीमा से बाहर प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। हुजूर तहसील के अपर तहसीलदार न्यायालय में पेशी से हटे 1958 लंबित प्रकरणों पर भी कार्रवाई के निर्देश दिए। लापरवाही बरतने वाले तहसीलदार और नायब तहसीलदारों का नियमानुसार वेतन काटने को कहा। उन्होंने वन अधिकार अधिनियम के तहत वन ग्रामों को राजस्व ग्राम बनाने की प्रक्रिया भी समय पर पूरी करने के निर्देश दिए।



आज से लागू होंगी नई दरें, ताजा दूध भी 2 प्रति लीटर महंगा; रसोई का बजट होगा प्रभावित

महंगाई का झटका: अमूल दूध हुआ महंगा, गोल्ड के दाम में 4 की बढ़ोतरी

भोपाल यश भारत।

देशभर में बढ़ती महंगाई के बीच आम उपभोक्ताओं को एक और झटका लगा है। मदर डेयरी के बाद अब प्रमुख डेयरी कंपनी अमूल ने भी दूध की कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। नई दरें 12 नवंबर 2026 से लागू कर दी गई हैं। कंपनी की नई दरों के अनुसार अमूल गोल्ड की कीमत में ?4 प्रति लीटर की वृद्धि की गई है। इसके बाद इसकी कीमत ?70 से बढ़कर ?74 प्रति लीटर हो गई है। वहीं अमूल ताजा दूध भी ?2 प्रति लीटर महंगा हो गया है। कंपनी के मुताबिक हरा और सूखा चारा पशु आहार पैकेजिंग तथा माल ढुलाई की लागत में लगातार बढ़ोतरी के चलते कीमतें बढ़ाने का फैसला लिया गया है। इस वृद्धि को करीब 4 से 5 प्रतिशत बताया गया है। दूध की कीमतों में इजाफे से आम परिवारों का मासिक बजट प्रभावित होना तय है। पहले से महंगाई की मार झेल रहे उपभोक्ताओं पर अब अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा।



दिवाली पर पटाखों से चौटिल हुए 10 मरीजों का सेवासदन में हुआ इलाज

हिरदाराम नगर.

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में दीपावली के दौरान आतिशबाजी से घायल हुए 10 मरीजों का इलाज कर उनकी आंखों की रोशनी बचाई गई। 8 और 9 नवंबर की मध्यरात्रि पटाखों की वजह से चोटिल हुए इन मरीजों को तत्काल चिकित्सा सुविधा देने के लिए अस्पताल में डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की 24 घंटे की आकस्मिक नेत्र चिकित्सा सेवा तैनात की गई थी। त्वरित और सफल उपचार पाने वाले मरीजों में सीहोर के 26 वर्षीय उमेश तथा बैतूल की 17 वर्षीय राधिका की दाहिनी आंख की आपात सर्जरी कर दृष्टि सुरक्षित की गई। इसके अलावा भोपाल के ज्ञानेंद्र (27 वर्ष), प्रीति (40 वर्ष), सुभाष (21 वर्ष) व पाखी (16 वर्ष), शाजापुर के श्यामाप्रसाद (65 वर्ष) व पलाश (36 वर्ष), सीहोर के पाल जी (31 वर्ष), राजगढ़ के घनश्याम (22 वर्ष), रायसेन की मुस्कान (20 वर्ष) और देवास के नन्हेलाल (56 वर्ष) का भी त्वरित इलाज कर आंखों का बचाव किया गया। दीपावली पर अस्पताल की इस विशेष 24 घंटे तत्पर व्यवस्था से सभी घायलों की आंखों की रोशनी बचाना संभव हो सका।



डेढ़ लाख सरकारी नौकरियों का रास्ता साफः विभागों की सुस्ती पर मुख्य सचिव सख्त, 2027 में होंगी दो राज्य सेवा परीक्षाएं

भोपाल, यश भारत।

मध्य प्रदेश में सरकारी नौकरी का सपना देख रहे युवाओं के लिए शासन स्तर पर प्रशासनिक कसावट तेज हो गई है। प्रदेश के विभिन्न विभागों में रिक्त पड़े करीब डेढ़ लाख पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया को अब मिशन मोड में पूरा किया जाएगा। मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने मंत्रालय में हुई उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में कई विभागों की सुस्त कार्यशैली पर गहरी नाराजगी जताते हुए स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि तय समय-सीमा के भीतर सभी औपचारिकताएं पूरी कर भर्ती प्रस्ताव भेजे जाएं। यह पूरी प्रक्रिया मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से संपन्न होगी।

विभागों की सुस्त रफ्तार पर तल्ख तेवर

मंत्रालय में हुई विभागाध्यक्षों की इस अहम बैठक में मुख्य सचिव ने सीधी भर्ती, पदोन्नति, अनुकंपा नियुक्ति और विभागीय जांच जैसे मामलों की बिंदुवार समीक्षा की। इस दौरान जनजातीय कार्य, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, राजस्व, ऊर्जा और स्कूल शिक्षा विभाग में रिक्त पदों पर भर्ती की धीमी रफ्तार को लेकर अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई गई। उन्होंने दोटूक कहा कि कर्मचारियों के कल्याण और प्रशासनिक कसावट से जुड़े इन मामलों में अब किसी भी प्रकार की



हीला-हवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अब तक शासन स्तर से एमपीपीएससी को 6,588 और कर्मचारी चयन मंडल को 17,299 पदों पर सीधी भर्ती के प्रस्ताव भेजे जा चुके हैं। युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के विशेष निर्देशों पर वर्ष 2027 में नियमित राज्य सेवा परीक्षा के साथ-साथ एक विशेष राज्य सेवा परीक्षा का भी आयोजन किया जाएगा। प्रशासनिक गलियारों में इसे एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

पदोन्नति और अनुकंपा नियुक्तियों पर विशेष अभियान

बैठक में लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण पर जोर दिया गया। विभिन्न विभागों में अभी भी 2,300 से अधिक अनुकंपा नियुक्तियों के मामले अटके हुए हैं, जिनके निराकरण के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, स्कूल शिक्षा विभाग ने इस दिशा में बेहतर कार्य

दोनों परीक्षाओं का प्रस्तावित कैलेंडर इस प्रकार तय किया गया है:

नियमित राज्य सेवा परीक्षा 2027: इसके लिए इसी माह के अंत तक विज्ञापन जारी होने की उम्मीद है। प्रारंभिक परीक्षा जनवरी 2027, मुख्य परीक्षा जून 2027 और साक्षात्कार नवंबर 2027 में होंगे। विभागों को 31 दिसंबर 2026 तक की संभावित रिक्तियों के प्रस्ताव 25 नवंबर तक भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

विशेष राज्य सेवा परीक्षा 2027: इसका विज्ञापन मार्च 2027 में जारी होगा, प्रारंभिक परीक्षा मई 2027, मुख्य परीक्षा सितंबर 2027 और साक्षात्कार दिसंबर 2027 में कराए जाएंगे। इसके लिए 15 मार्च तक प्रस्ताव मांगे गए हैं।

करते हुए अब तक सबसे ज्यादा 904 अनुकंपा नियुक्तियां दी हैं। वहीं, पदोन्नति के मोर्चे पर गृह और राजस्व विभागों के बेहतर प्रदर्शन के चलते अब तक कुल 68,437 कर्मचारियों को पदोन्नति का लाभ मिल चुका है। मुख्य सचिव ने शेष बचे पदों की समीक्षा कर नए सिरे से प्रक्रिया शुरू करने को कहा है ताकि प्रशासनिक व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो सके।



किसानों का अपमान करने वाले भाजपा सांसद पर FIR हो : धर्मेंद्र सिंह चौहान

इस्तीफे और पार्टी से निष्कासन की मांग, कार्रवाई नहीं होने पर मुख्यमंत्री निवास घेरने की चेतावनी

भोपाल,यश भारत।

भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा द्वारा किसानों पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में मध्य प्रदेश किसान कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। किसान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान ने भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता कर सांसद के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने उनका इस्तीफा लेने और भाजपा से निष्कासित करने की मांग की। चौहान ने आरोप लगाया कि किसानों को नशेड़ी और चिलम फूंकने वाला बताना देश के करोड़ों अन्नदाताओं का अपमान है। उन्होंने कहा कि किसान दिन रात मेहनत कर देश का पेट भरता है लेकिन भाजपा के जनप्रतिनिधि उनके सम्मान को ठेस पहुंचा रहे हैं। उन्होंने बताया कि किसान कांग्रेस प्रदेशभर में विरोध प्रदर्शन और पुतला दहन कर रही है। मांगें पूरी नहीं होने पर मुख्यमंत्री निवास का घेराव किया जाएगा। पत्रकार वार्ता में मुकेश नायक राम मिहिर राहुल राज और रामशरण राणा मौजूद रहे।



भोपाल में कुएं में गिरा तेंदुआ, 5 घंटे की मशक्कत के बाद सुरक्षित रेस्क्यू

बैरसिया के सागोनी जोरा गांव में रातभर पानी में फंसा रहा वन्यजीव, वन विहार की टीम ने निकाला बाहर

भोपाल,यश भारत।

शिकार की तलाश में निकला एक तेंदुआ बैरसिया के सागोनी जोरा गांव में कुएं में जा गिरा। तेंदुआ रातभर पानी में फंसा रहा लेकिन राहत की बात यह रही कि उसे कोई गंभीर चोट नहीं आई। ग्रामीणों से सूचना मिलने के बाद वन विभाग और वन विहार की रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। रेस्क्यू टीम ने तेंदुए को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए अभियान शुरू किया। करीब पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद टीम को सफलता मिली और तेंदुए को सुरक्षित कुएं से बाहर निकाल लिया गया। घटना के दौरान मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुटी रही। रेस्क्यू के बाद तेंदुए का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएगा। वन विभाग के अनुसार पूरी तरह स्वस्थ पाए जाने पर उसे प्राकृतिक जंगल में छोड़ दिया जाएगा। इस सफल रेस्क्यू से वन विभाग की टीम ने बड़ी राहत की सांस ली।

विधायक आरिफ मसूद ने शिक्षा के महत्व पर डाला प्रकाश

मौलाना आजाद की जयंती पर बच्चों को बांटे स्कूल बैग

भोपाल,यश भारत।

देश के प्रथम शिक्षा मंत्री एवं महान स्वतंत्रता सेनानी मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती और राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर बुधवार को लिली टॉकीज स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा के पास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान विधायक आरिफ मसूद ने बड़ी संख्या में स्कूली बच्चों को स्कूल बैग वितरित किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मसूद ने मौलाना आजाद के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान और शिक्षा के क्षेत्र में उनके प्रयासों को याद किया। उन्होंने कहा कि मौलाना आजाद ने अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष करते हुए देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही उन्होंने शिक्षा को राष्ट्र की प्रगति और समाज के विकास का आधार माना। विधायक ने कहा कि शिक्षित समाज ही मजबूत और विकसित देश का निर्माण कर सकता है। जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना मौलाना आजाद के विचारों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम में बच्चे अभिभावक और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैग पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे।



स्वतंत्रता संग्राम में मौलाना आजाद के योगदान को किया याद

नायब तहसीलदार भर्ती परीक्षा की तारीख बदली, अब 10 जनवरी को होगा एग्जाम

पटवारी संघ की मांग पर राजस्व विभाग की सहमति के बाद ESB ने जारी किया नया कार्यक्रम

भोपाल,यश भारत।

मध्यप्रदेश में नायब तहसीलदार भर्ती परीक्षा 2026 की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए महत्वपूर्ण खबर है। मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने परीक्षा की तारीख में बदलाव करते हुए अब 10 जनवरी 2027 निर्धारित की है। पहले यह परीक्षा 14 नवंबर 2026 को आयोजित होनी थी। परीक्षा की तारीख में बदलाव पटवारी संघ की मांग और राजस्व विभाग की सहमति के बाद किया गया है। यह विभागीय सीमित प्रतियोगिता परीक्षा पटवारी, राजस्व निरीक्षक आरआई और लिपिक वर्गीय कर्मचारियों को नायब तहसीलदार पद पर पदोन्नति का अवसर देने के लिए आयोजित की जा रही है। इस परीक्षा में राजस्व मंडल, आयुक्त भू-अभिलेख प्रमुख राजस्व आयुक्त संभागायुक्त और कलेक्टर कार्यालयों में कार्यरत पात्र कर्मचारी शामिल होंगे। तारीख आगे बढ़ने से विभागीय कर्मचारियों को परीक्षा की तैयारी के लिए अतिरिक्त समय मिल सकेगा। कर्मचारी चयन मंडल ने संशोधित परीक्षा कार्यक्रम को लेकर आधिकारिक सूचना जारी कर दी है।



कुरान की आयत वाले पेंडेंट पर विवाद, अब्बास हफीज के वकील ने बताई नोटिस की वजह

करीना कपूर के पेंडेंट पहनने पर नहीं, सोशल मीडिया पर धार्मिक आयत के प्रदर्शन के तरीके पर है आपत्ति



भोपाल,यश भारत।

बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान के दिवाली पेंडेंट को लेकर शुरू हुआ विवाद अब कानूनी नोटिस तक पहुंच गया है। इस मामले में कांग्रेस प्रवक्ता अब्बास हफीज के वकील एडवोकेट मोहम्मद जफर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए आपत्ति की वजह स्पष्ट की है।

एडवोकेट जफर के मुताबिक उनकी आपत्ति करीना कपूर के पेंडेंट पहनने को लेकर नहीं है बल्कि उस पर उकेरी गई पवित्र कुरान की आयत को प्रदर्शित करने के तरीके पर है। उनका कहना है कि धार्मिक आयत का सम्मानजनक तरीके से इस्तेमाल होना चाहिए। सोशल मीडिया पर तस्वीरों और वीडियो के माध्यम से इसके प्रदर्शन को लेकर मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत होने की बात कही गई है।इसी आधार पर लीगल नोटिस जारी किया गया है। इसमें संबंधित तस्वीरें और वीडियो हटाने के साथ सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की गई है।

कोलार की यूबी सिटी में आवारा कुत्तों का आतंक, दो लोगों पर हमला

70 वर्षीय बुजुर्ग महिला और 40 वर्षीय युवक गंभीर घायल, सीसीटीवी वीडियो आया सामने

भोपाल,यश भारत।



राजधानी भोपाल के कोलार क्षेत्र स्थित यूबी सिटी कॉलोनी में आवारा कुत्तों का आतंक सामने आया है। यहां कुत्ते के हमले की दो अलग-अलग घटनाओं में 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार कुत्ते ने 40 वर्षीय अभय परिहार और बुजुर्ग महिला थॉमस पर हमला कर उन्हें बुरी तरह घायल कर दिया। घटना के बाद कॉलोनी में दहशत का माहौल है। वहीं हमले का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है जिसमें कुत्ता एक युवक पर हमला कर उसे काटते हुए नजर आ रहा है। लगातार हो रहे डॉग अटैक से रहवासियों में आक्रोश है। लोगों ने आवारा कुत्तों से सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है। कॉलोनीवासियों का कहना है कि ऐसी घटनाओं पर समय रहते रोक लगाना जरूरी है।

विधानसभा अध्यक्ष ने किया केरला फेस्ट 2026 का उद्घाटन

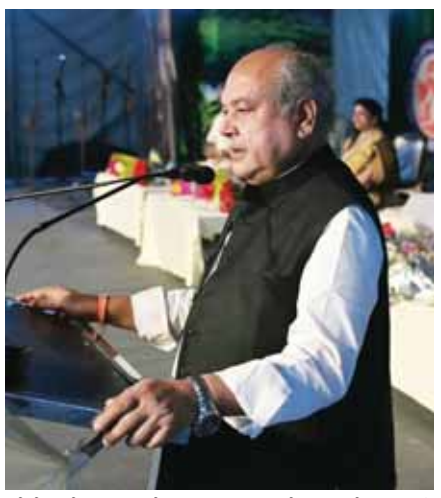
केरल फेस्ट जैसे आयोजन आर्थिक स्वावलंबन के भी स्रोत : नरेंद्र सिंह तोमर

बोले- सांस्कृतिक साझेदारी से मजबूत होती है राष्ट्रीय एकता

भोपाल, यश भारत।

विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि केरल और मध्यप्रदेश के बीच प्राचीन सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंध हैं। आदि गुरु शंकराचार्य का जन्म केरल में हुआ जबकि उन्हें ज्ञान की प्राप्ति ओंकारेश्वर में हुई। दोनों प्रदेशों की विविधता आपसी संबंधों को कमजोर नहीं कर सकती। केरला फेस्ट जैसे आयोजन सांस्कृतिक आदान प्रदान के साथ आर्थिक स्वावलंबन का माध्यम भी बन रहे हैं।

तोमर बुधवार को विट्टन मार्केट में आयोजित तीसरे केरला फेस्ट 2026 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस तथा पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी भी उपस्थित रहे। तोमर ने कहा कि ऐसे आयोजनों से विभिन्न कलाओं परंपराओं और संस्कृतियों को साझा मंच मिलता है जो राष्ट्रीय एकता को मजबूत करता है। कार्यक्रम में यूनाइटेड मलयाली एसोसिएशन के अध्यक्ष ओडी जोसेफ ने अतिथियों का स्वागत करते हुए महोत्सव की सांस्कृतिक विशेषताओं पर प्रकाश डाला।



बीती रात में निगम की औचक कार्रवाई, 5 दुकानदारों पर 5900 रुपए का जुर्माना

दुकानें बंद करने के बाद सड़क पर कचरा छोड़ने वालों पर सख्ती

भोपाल,यश भारत।

शहर में स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने और सड़क पर कचरा फैलाने वालों के खिलाफ नगर निगम ने सख्ती शुरू कर दी है। निगमायुक्त के निर्देश पर एएचओ नीतीश मिश्रा के नेतृत्व में नगर निगम की रात्रिकालीन टीम ने 6 नंबर मार्केट और हॉकर्स कॉर्नर में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने दुकानों के आसपास और सड़कों पर स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया। जांच में दुकानें बंद करने के बाद सड़क पर कचरा छोड़ने और स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वाले पांच दुकानदारों को चिन्हित किया गया। निगम की टीम ने संबंधित दुकानदारों पर कुल 5 900 रुपए का स्पॉट फाइन लगाया। कार्रवाई के दौरान व्यापारियों को समझाइश भी दी गई कि दुकान बंद करते समय आसपास सफाई सुनिश्चित करें और कचरा सड़क पर फेंकने के बजाय डस्टबिन का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि स्वच्छता नियमों का



उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी औचक निरीक्षण और जुर्माने की कार्रवाई जारी रहेगी।

सोनिया गांधी की आत्मकथा की एक दर्जन प्रतियां खरीदेंगे मनोज शुक्ला

शहर के गणमान्य नागरिकों, धर्मगुरुओं और बुद्धिजीवियों को निःशुल्क भेंट करेंगे पुस्तक

भोपाल,यश भारत।

कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने सोनिया गांधी की हाल ही में प्रकाशित आत्मकथा ए जर्नी ऑफ लव की एक दर्जन प्रतियां खरीदी हैं। उन्होंने इस पुस्तक को प्रेम त्याग समर्पण और भारतीय संस्कृति से गहरे जुड़ाव की प्रेरणादायक दास्तान बताया है। मनोज शुक्ला के अनुसार, इस आत्मकथा के माध्यम से सोनिया गांधी के जीवन उनके संघर्ष विचारों और देश के प्रति समर्पण को समझने का अवसर मिलेगा। उन्होंने पुस्तक की प्रतियां शहर के गणमान्य नागरिकों धर्मगुरुओं बुद्धिजीवियों और गांधीवादी विचारधारा से जुड़े लोगों को निःशुल्क भेंट करने का निर्णय लिया है। शुक्ला का कहना है कि पुस्तकों के माध्यम से विचारों और प्रेरणादायक जीवन प्रसंगों को समाज के बीच पहुंचाया जाना चाहिए। इसी उद्देश्य से वे यह पहल कर रहे हैं ताकि अधिक से अधिक लोग इस आत्मकथा को पढ़ सकें और इसके विचारों से परिचित हो सकें।



मिनाक्षी माधव ढेरे का निधन, आज निकलेगी अंतिम यात्रा

भोपाल, यशभारत। मिनाक्षी माधव ढेरे का 11 नवंबर को निधन हो गया है। उनके निधन की सूचना से परिजनों, मित्रों और परिचितों में गहरा शोक व्याप्त है। उनकी अंतिम यात्रा आज, 12 नवंबर गुरुवार को उनके निज निवास ई-7/470, अरेरा कॉलोनी, भोपाल से सुभाष नगर विश्राम घाट के लिए रवाना होगी, जहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। शोकाकुल परिवार में मकरंद माधव ढेरे सहित अन्य समस्त परिजन शामिल हैं।



चिंतन-मनन

तपती धरती, बेबस इंसान और खामोश दुनिया

जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की कोई आशंका नहीं, बल्कि वर्तमान की सबसे बड़ी वैश्विक चुनौती बन चुका है। बढ़ता तापमान, बेमौसम बारिश, भीषण गर्मी, सूखा, बाढ़ और विनाशकारी तूफान इस बात के प्रमाण हैं कि प्रकृति का संतुलन तेजी से बिगड़ रहा है। इसका असर केवल पर्यावरण पर नहीं, बल्कि आम आदमी के स्वास्थ्य, रोजगार, खेती, खाद्य सुरक्षा और जीवनयापन पर भी पड़ रहा है। विडंबना यह है कि जलवायु संकट के लिए सबसे कम जिम्मेदार गरीब और विकासशील देशों के लोग ही इसके सबसे गंभीर परिणाम भुगत रहे हैं। तुर्किये के अंताल्या में आयोजित कॉप-31 जलवायु सम्मेलन से एक बार फिर दुनिया को बड़ी उम्मीदें हैं। उत्सर्जन में कटौती, स्वच्छ ऊर्जा, जलवायु अनुकूलन और विकासशील देशों को आर्थिक सहायता जैसे मुद्दों पर चर्चा महत्वपूर्ण जरूर है, लेकिन सवाल यह है कि क्या इन चर्चाओं का परिणाम धरातल पर दिखाई देगा? पिछले कई सम्मेलनों में बड़े-बड़े संकल्प लिए गए, लेकिन कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण और जलवायु वित्त की उपलब्धता जैसे मोर्चों पर अपेक्षित प्रगति नहीं हुई। अब केवल घोषणाओं से काम चलने वाला नहीं है।

भारत ने सम्मेलन में समानता और साझा लेकिन अलग-अलग जिम्मेदारियों के सिद्धांत पर जोर देकर एक महत्वपूर्ण पक्ष रखा है। विकसित देशों ने औद्योगिक विकास के लंबे दौर में भारी मात्रा में कार्बन उत्सर्जन किया है। ऐसे में विकासशील देशों पर समान जिम्मेदारी थोपना न्यायसंगत नहीं होगा। जलवायु न्याय की मांग है कि विकसित देश अपनी ऐतिहासिक जिम्मेदारी स्वीकारें और विकासशील देशों को तकनीक तथा पर्याप्त वित्तीय सहायता उपलब्ध कराएं। भारत जैसे देशों के सामने विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने की चुनौती है।

इस संकट का सबसे भयावह पहलू इसकी मानवीय कीमत है। भीषण गर्मी में खुले आसमान के नीचे काम करने वाला मजदूर, सूखे से जूझता किसान और पेयजल के लिए परेशान ग्रामीण परिवार जलवायु परिवर्तन की वास्तविक मार झेल रहे हैं। गर्मी के कारण भारत में 2024 के दौरान 247 अरब संभावित श्रम घंटे नष्ट होने का अनुमान बताता है कि यह संकट अर्थव्यवस्था को भी कमजोर कर रहा है। गरीब परिवारों के लिए मौसम की मार केवल असुविधा नहीं, बल्कि रोजी-रोटी और जीवन के बीच संघर्ष बनती जा रही है।

इसलिए जलवायु नीति का केंद्र आम आदमी होना चाहिए। शहरों में हरित क्षेत्र और जल संरक्षण बढ़ाना, स्वच्छ ऊर्जा को प्रोत्साहित करना, किसानों को मौसम के अनुरूप तकनीक उपलब्ध कराना और श्रमिकों को गर्मी से सुरक्षा देना अब प्राथमिकता होनी चाहिए। स्वास्थ्य सेवाओं को भीषण गर्मी और मौसमी बीमारियों से निपटने के लिए तैयार करना होगा। जलवायु परिवर्तन से मुकाबला केवल सरकारों की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज और प्रत्येक नागरिक की साझा जवाबदेही भी है। कॉप-31 की असली सफलता समझौतों की संख्या से नहीं, बल्कि उनके परिणामों से तय होगी। दुनिया को यह समझना होगा कि प्रकृति के साथ टकराव में अंततः मानव सभ्यता ही पराजित होगी। अब समय संकल्प दोहराने का नहीं, उन्हें जमीन पर उतारने का है।

कड़वे वचन



बुजुर्गों से कहूंगा। तुम्हारा बेटा लायक है। भगवान करे और भी लायक बनें। अपने लायक बेटे को जीवन में अर्जित की सम्पत्ति को बेशक दे देना। मगर अपने लिए इतनी जरूर बचा लेना कि कल को तुम्हें उसके सामने हाथ न फैलाना पड़े। यह कलयुग है मेरे भाई! लायक कब नालायक हो जाए कुछ पता नहीं अगर पुत्र मोह में सब लुटा बैठे तो आंसू बहाना तुम्हारी नियति बन जाएगी।

आज का राशिफल



ज्योतिषाचार्य पंडित लोकेश व्यास

पंचांग:-12 नवम्बर, 2026
दिन-गुरुवार, अश्विन शुक्ल 10
विक्रम संवत 2083

मेष
लॉटरी जुए शराब बस अड्डे से दूर रहें शरीर साथ नहीं देगा तांबे के पात्र में जल पिए

वृष
प्रेम प्रसंग में जोखिम न लें पुराना रोग उभर सकता है प्राणायाम करें

मिथुन
लाभ के अवसर हाथ आएंगे व्यापारिक यात्रा सफल होगी गणेश जी का पूजन करें

कर्क
आशंका के चलते निर्णय प्रभावित होंगे योजना में परिवर्तन होगा भगवान चंद्र का पूजन करें

सिंह
रोमांस के मामले में खुशनुमा माहौल पूजा पाठ में मन लगेगा देवी दुर्गा का पूजन करें

कन्या
पिता से नाराजगी रह सकती है मित्रों से उपहार मिलेगा हरे रंग की वस्तुएं दान करें

तुला
कार और व्यापारिक क्षेत्र में बाधा रहेगी उन्माद का वातावरण बनेगा सेहत का ध्यान रखें देवी को सफेद मिठाई का भोग लगाएं

वृश्चिक
झुंझलाहट रहेगी शाम को मनोरंजन रहेगा हनुमान जी की आराधना करें

धनु
उपेक्षित महसूस होगा रात के समय मौज मस्ती में बीतेगा इलायची का सेवन करें

मकर
सहयोग की कमी रहेगी कलह बढ़ेगी मन को शांत रखें पीपल में दिया जलाएं

कुंभ
भविष्य के लिए मार्गदर्शन मिलेगा समय की कमी रहेगी वट वृक्ष का पूजन करें

मीन
साहसिक भावना बढ़ेगी शहद प्रकृति रखें सफलता मिलेगी गुरु को उपहार दें

या डिजिटल निर्भरता देश की नई कमजोरी बन रही है?



कभी धुआँ, गोलियाँ, लड़ाकू विमान और सरहदों पर आमने-सामने खड़ी सेनाएँ युद्ध की पहचान थीं। लेकिन अब युद्ध का तरीका बदल चुका है। न सैनिक दिखाई देते हैं, न हथियारों की आवाज सुनाई देती है। एक डिजिटल हमला हजारों किलोमीटर दूर से आपके घर की रसोई तक असर पहुँचा सकता है। कंप्यूटर पर कुछ अंकों में बदलाव से फ्रिज का तापमान बढ़ सकता है और उसमें रखा भोजन खराब हो सकता है। अब दुश्मन को घर में घुसने या सीमा पार करने की जरूरत नहीं, वह दूर बैठकर ही आपकी रोजमर्रा की जरूरतों को प्रभावित कर सकता है। अक्टूबर 2026 में फ्रांस के सुपरमार्केटों में हुई घटना ने युद्ध के इस नए स्वरूप की झलक दिखाई, जिसकी कल्पना कुछ वर्ष पहले तक विज्ञान-कथा में ही की जाती थी।

फ्रांस में करीब 700 सुपरमार्केट और व्यावसायिक प्रतिष्ठान साइबर हमले की चपेट में आए। अक्टूबर की एक रात हमलावरों ने रेफ्रिजरेशन सिस्टम का तापमान दूर से बढ़ा दिया। कुछ इकाइयों में यह 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया, जिससे मांस, दूध और अन्य खाद्य सामग्री खराब हो गई। कम से कम 15 स्थानों पर आग लगी और लाखों यूरो का खाद्य भंडार नष्ट हुआ। नवंबर 2026 की शुरुआत में फ्रांसीसी अधिकारियों ने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स से जुड़ी साइबर इकाई च्शाहीद कावेहज पर हमले का आरोप लगाया। जाँच में फारसी भाषा और ईरानी इंटरनेट पतों के संकेत मिले। फ्रांस ने ईरानी राजदूत को तलब कर यूरोपीय प्रतिबंधों की पहल की। ईरान ने आरोपों को निराधार बताया। स्वतंत्र पुष्टि अभी शेष है।

इस घटना का दायरा फ्रांस और ईरान के बीच राजनयिक विवाद तक सीमित नहीं है। अब तक साइबर युद्ध को बैंकिंग नेटवर्क में सेंध लगाने, सरकारी वेबसाइटें ठप करने, गोपनीय जानकारियाँ चुराने और संचार व्यवस्था बाधित करने तक समझा जाता था। लेकिन फ्रांस की घटना ने स्पष्ट कर दिया कि डिजिटल हमले का असर वास्तविक दुनिया में आग, भारी आर्थिक क्षति और खाद्य संकट के रूप में सामने आ सकता है। यानी कंप्यूटर पर शुरू हुई कार्रवाई सीधे आम आदमी के जीवन और जरूरतों को प्रभावित कर सकती है। अब चिंता केवल पासवर्ड चोरी की नहीं, बल्कि लोगों की थाली तक भोजन पहुँचने की है।

इस हमले की सबसे चिंताजनक बात यह है कि इसके लिए किसी जटिल हथियार की जरूरत नहीं पड़ी। सुपरमार्केटों में लगे डैनफॉस जैसे तापमान नियंत्रकों के वेब इंटरफेस इंटरनेट पर खुले थे। कमजोर या डिफॉल्ट पासवर्ड और सुरक्षा की कमी ने हमलावरों के लिए इन तक पहुँच आसान बना दी। भोजन सुरक्षित रखने वाले उपकरण ही विनाश का जरिया बन गए। जिस फ्रिज का काम भोजन बचाना था, उसकी डिजिटल कमजोरी ने वही भोजन नष्ट कर दिया। इससे स्पष्ट है कि आधुनिक तकनीक की कसौटी केवल उसकी स्मार्टनेस नहीं, बल्कि उसकी सुरक्षा भी है।

भारत इस घटना को यूरोप की समस्या मानकर नजरअंदाज नहीं कर सकता। हमारी खाद्य व्यवस्था कोल्ड चेन पर निर्भर है। खेत से मंडी, गोदाम और प्रसंस्करण इकाई तक दूध, फल, सब्जियाँ, मांस और मछली सुरक्षित पहुँचाने में तापमान नियंत्रित भंडारण अहम है। शहरीकरण, लंबी आपूर्ति श्रृंखलाओं और बदलते मौसम ने इसकी जरूरत बढ़ा दी है। यदि किसी बड़े शहर के कई कोल्ड स्टोरेज एक साथ हैक हो जाएँ, तो हजारों टन खाद्य सामग्री नष्ट हो सकती है। आपूर्ति घटने से कीमतें बढ़ेंगी, छोटे व्यापारी कर्ज में डूबेंगे और परिवारों का बजट बिगड़ेगा। खाद्य संकट केवल फसल की कमी से नहीं, तकनीकी लापरवाही से गोदामों में रखा भोजन नष्ट होने से भी पैदा हो सकता है।

भारत के लिए यह चुनौती इसलिए भी गंभीर है कि कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और उद्योगों में बड़ी संख्या में विदेशी कंपनियों के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से बने उपकरण इस्तेमाल हो रहे हैं। विदेशी तकनीक अपने आप में खतरा नहीं, लेकिन उसके संचालन, रखरखाव और सुरक्षा पर पूरा नियंत्रण न होना जोखिम जरूर है। बिजली ग्रिड, बैंकिंग नेटवर्क और सरकारी पोर्टल पहले ही साइबर हमलों का निशाना बन चुके हैं। अब खाद्य आपूर्ति श्रृंखला भी इसकी चपेट में आ सकती है। बड़े सुपरमार्केट से लेकर कसाई की दुकानों और छोटे किराना कारोबारियों तक, इंटरनेट से जुड़े रेफ्रिजरेशन उपकरण साइबर हमले का रास्ता बन सकते हैं।

यहाँ सबसे अहम सवाल है–क्या तकनीकी सुविधा के साथ सुरक्षा भी सुनिश्चित की गई है? दूर से मशीनें चलाना आसान है, लेकिन गलत हाथों में उनका नियंत्रण संकट बन सकता है। भारत को खाद्य सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा का हिस्सा मानना होगा। कोल्ड स्टोरेज और रेफ्रिजरेशन नियंत्रकों को सार्वजनिक इंटरनेट के बजाय सुरक्षित नेटवर्क से जोड़ा जाए। डिफॉल्ट पासवर्ड बदले जाएँ, बहुस्तरीय प्रमाणीकरण अपनाया जाए, सॉफ्टवेयर अपडेट हों और तापमान में असामान्य बदलाव पर अलार्म बजे। मशीनों की डिजिटल और भौतिक सुरक्षा सुनिश्चित हो। छोटे दुकानदारों के लिए भी सरल और किफायती साइबर सुरक्षा मानक लागू किए जाएँ।

इसके साथ स्वदेशी तकनीक और विशेषज्ञता को बढ़ावा देना भी जरूरी है। आत्मनिर्भरता का मतलब केवल देश में मशीनें बनाना नहीं, बल्कि उनके सॉफ्टवेयर, सुरक्षा और आपातकालीन नियंत्रण की क्षमता भी अपने पास रखना है। भारतीय कंपनियों, शोध संस्थानों और सरकारी एजेंसियों को मिलकर सुरक्षित औद्योगिक नियंत्रक विकसित करने चाहिए। खाद्य वितरण नेटवर्क का नियमित साइबर ऑडिट और आपातकालीन अभ्यास भी जरूरी है। गोदाम का तापमान अचानक बदलने पर वैकल्पिक बिजली, स्थानीय नियंत्रण और खाद्य सामग्री को दूसरे स्थान पर पहुँचाने की व्यवस्था होनी चाहिए।

यह चुनौती किसी एक देश तक सीमित नहीं है, क्योंकि साइबर हमलों की कोई सीमा नहीं होती। एक देश में बैठा हमलावर दूसरे देश के उपकरणों को निशाना बना सकता है और तीसरे देश की तकनीक का इस्तेमाल कर सकता है। इसलिए भारत को फ्रांस और अन्य यूरोपीय देशों सहित समान सोच वाले राष्ट्रों के साथ साइबर सुरक्षा, सूचनाओं के आदान-प्रदान और औद्योगिक प्रणालियों की सुरक्षा में सहयोग बढ़ाना चाहिए। साथ ही, किसी देश पर लगे आरोप और अपराध की सिद्ध जिम्मेदारी में अंतर रखते हुए अंतरराष्ट्रीय जाँच और जवाबदेही की व्यवस्था मजबूत करनी होगी।

फ्रांस के सुपरमार्केटों में बंद पड़े फ्रिज केवल तकनीकी खराबी नहीं, बल्कि उस खतरे का संकेत हैं, जिसमें दुश्मन बिना सामने आए देश की व्यवस्था ठप कर सकता है। तकनीक सुविधा देती है, पर सुरक्षा के बिना कमजोरी बन जाती है। राष्ट्रीय सुरक्षा अब सेना, लड़ाकू विमानों और युद्धपोतों तक सीमित नहीं है। बिजली, बैंकिंग, अस्पताल, परिवहन और खाद्य भंडारण भी इसके अहम आधार हैं। जरूरी आपूर्ति प्रणालियाँ हमलावर के नियंत्रण में आएँ, तो संकट राष्ट्रीय बन जाता है। फ्रांस की घटना को नजरअंदाज करना भारत को भारी पड़ सकता है। कल तक दुश्मन जमीन पर हमला करता था, आज व्यवस्था में सेंध लगाकर थाली तक पहुँच सकता है। रसोई की सुरक्षा के बिना खाद्य सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा के बिना राष्ट्रीय सुरक्षा अधूरी है।

–. आरके जैन च्चअरिजीतज्ञ

कैंसर की दवाओं पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती से मरीजों को मिली बड़ी राहत



कैंसर का नाम सुनते ही किसी भी परिवार के सामने सबसे पहले जिंदगी और मौत का सवाल खड़ा हो जाता है। यह ऐसी बीमारी है, जिसका इलाज न केवल मरीज को शारीरिक और मानसिक रूप से तोड़ता है, बल्कि पूरे परिवार की आर्थिक कमर भी तोड़ देता है। इलाज की लंबी प्रक्रिया, महंगी जांच, अस्पतालों का खर्च और जीवनरक्षक दवाओं की कीमतें पहले से परेशान परिवारों के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होतीं। ऐसे में कैंसर की 137 दवाओं की कीमतों में भारी कटौती होना निश्चित रूप से लाखों मरीजों और उनके परिजनों के लिए राहत भरी खबर है। लेकिन इस फैसले के पीछे छिपी सच्चाई देश की स्वास्थ्य व्यवस्था और दवा कारोबार पर गंभीर सवाल भी खड़े करती है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कैंसर की 137 दवाओं की कीमतें कम की गई हैं। दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के 1,364 फॉर्मूलेशन की नई कीमतें जारी की हैं। इनमें 679 ब्रांड की दवाओं के दाम 50 प्रतिशत से अधिक घटाए गए हैं। कुछ दवाओं की कीमतों में तो 96.45 प्रतिशत तक की कमी की गई है। अनुमान है कि इस कदम से मरीजों को सालाना करीब 3,540.38 करोड़ रुपये की बचत होगी। यह आंकड़ा अपने आप में बताता है कि अब तक कैंसर के इलाज के नाम पर आम आदमी की जेब पर कितना बड़ा आर्थिक बोझ पड़ रहा था। इस पूरे मामले में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। 22 सितंबर को सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कैंसर की दवाओं की रिटेल कीमत और अधिकतम खुदरा मूल्य के बीच भारी अंतर पर गंभीर सवाल उठाए थे। अदालत की टिप्पणी थी कि 2,700 रुपये की दवा मरीज को 27,000 रुपये में मिलना दिनदहाड़े डकैती और नरसंहार जैसा है। न्यायालय की यह नाराजगी केवल दवाओं की कीमतों को लेकर नहीं थी, बल्कि उस व्यवस्था पर भी सवाल था, जिसमें गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों की मजबूरी को कारोबार और मुनाफे का अवसर बना लिया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद 17 अक्टूबर को नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने 137 गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर कंपनियों का ट्रेड मार्जिन 30 प्रतिशत निर्धारित किया। इसी निर्णय के बाद कीमतों में कमी का रास्ता साफ हुआ। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज के तहत गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों ने भी इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। समिति में देश के प्रमुख कैंसर विशेषज्ञों, चिकित्सकों, अस्पतालों के प्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों को शामिल किया गया था। इसका उद्देश्य दवाओं की कीमतों और व्यापारिक मार्जिन को तर्कसंगत बनाना था।

यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर जीवन बचाने वाली दवाओं के कारोबार में इतना अधिक मुनाफा कैसे संभव हुआ? क्या किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज की विवशता का फायदा उठाना उचित है? दवा उद्योग का अपना आर्थिक पक्ष है। कंपनियों को अनुसंधान, उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण, वितरण और नई दवाओं के विकास पर खर्च करना पड़ता है। लेकिन इन सभी खर्चों के नाम पर ऐसी कीमतें वसूलना, जिन्हें आम आदमी वहन ही न कर सके, किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। दवा कोई सामान्य उपभोक्ता वस्तु नहीं है। यह किसी व्यक्ति के जीवन, उसके परिवार की उम्मीद और उसके भविष्य से जुड़ी होती है।

भारत जैसे देश में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच आज भी आर्थिक स्थिति से प्रभावित होती है। संपन्न परिवार बेहतर अस्पतालों और महंगे उपचार का खर्च उठा सकते हैं, लेकिन मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के सामने अक्सर इलाज जारी रखने या घर की आर्थिक स्थिति बचाने के बीच कठिन चुनाव करने की नौबत आ जाती है। कई बार लोग जमीन, मकान और पुश्तैनी संपत्ति तक बेच देते हैं। कुछ परिवार कर्ज में डूब जाते हैं तो कुछ आर्थिक असमर्थता के कारण उपचार अधूरा छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। ऐसे हालात में दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण केवल आर्थिक नीति का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और मानवीय संवेदनशीलता का प्रश्न है। हालांकि, केवल कीमतें घटा देना ही पर्याप्त नहीं होगा। सरकार और संबंधित नियामक संस्थाओं को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि निर्धारित कीमतों का लाभ वास्तव में मरीजों तक पहुंचे। दवा दुकानों, अस्पतालों और वितरकों के स्तर पर नियमित निगरानी होनी चाहिए। यदि कोई कंपनी या विक्रेता निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि आवश्यक दवाओं की उपलब्धता बनी रहे और कीमतों पर नियंत्रण के नाम पर उनकी आपूर्ति प्रभावित न हो।

विशेषज्ञ समिति द्वारा सुझाई गई 137 दवाओं की सूची को समय-समय पर अपडेट करने का निर्णय भी महत्वपूर्ण है। कैंसर के उपचार में लगातार नई दवाएं और तकनीकें सामने आ रही हैं। इसलिए मूल्य नियंत्रण की व्यवस्था भी समय और जरूरत के अनुसार विकसित होनी चाहिए। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नई और प्रभावी दवाएं भी आम मरीजों की पहुंच से बाहर न हों। सरकारी अस्पतालों में कैंसर उपचार की सुविधाओं का विस्तार, जांच की सुलभता और स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन भी उतना ही आवश्यक है।

दरअसल, किसी भी सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर और जरूरतमंद नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ रहे मरीजों के लिए दवाओं की कीमत कम होना महज एक आर्थिक राहत नहीं, बल्कि जीवन की उम्मीद को मजबूत करने वाला कदम है। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती ने इस दिशा में महत्वपूर्ण हस्तक्षेप किया है। लेकिन इस राहत को स्थायी व्यवस्था में बदलना सरकार, दवा कंपनियों और नियामक संस्थाओं की सामूहिक जिम्मेदारी है।

जीवन बचाने वाली दवाएं मुनाफे का असीमित माध्यम नहीं बननी चाहिए। स्वास्थ्य सेवा का उद्देश्य केवल कारोबार नहीं, बल्कि मानव जीवन की रक्षा होना चाहिए। कैंसर से लड़ रहे मरीजों को बीमारी से संघर्ष करना चाहिए, दवाओं की कीमतों और आर्थिक शोषण से नहीं। यही इस फैसले का वास्तविक संदेश और एक संवेदनशील स्वास्थ्य व्यवस्था की कसौटी है।

(लेखक- सौरभ वार्ष्णेय)

सौ वर्षों की यात्रा में संघ की पहचान बना स्वयंसेवक का समर्पण

इब्राहिम के ऐतिहासिक प्रसंग से सामाजिक समरसता संवाद और वैचारिक सहिष्णुता का संदेश

भारत का सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन अनेक विचारधाराओं, परंपराओं और संगठनों के योगदान से निर्मित हुआ है। किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक प्रगति, राजनीतिक व्यवस्था अथवा सैन्य क्षमता में नहीं होती, बल्कि उसके नागरिकों के चरित्र, सामाजिक एकता, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध में भी निहित होती है। इसी दृष्टिकोण के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने वर्ष 1925 में डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के नेतृत्व में अपनी यात्रा प्रारंभ की थी। सौ वर्षों के बाद भी संघ की पहचान उसके स्वयंसेवकों के आचरण, संगठनात्मक अनुशासन और सेवा गतिविधियों से जुड़ी हुई है। नागपुर में संघ प्रमुख मोहन भागवत का यह कथन कि सौ साल बाद भी स्वयंसेवक ही संघ की सबसे बड़ी पहचान हैं, संगठन की कार्यपद्धति को समझने का महत्वपूर्ण आधार प्रस्तुत करता है।

संघ की स्थापना के पीछे मूल विचार व्यक्ति निर्माण के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का था। डॉ. हेडगेवार का मानना था कि समाज को संगठित और सशक्त बनाने के लिए ऐसे नागरिक तैयार होने चाहिए, जिनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना हो। इसी उद्देश्य से दैनिक शाखा की परंपरा विकसित हुई। शाखा में शारीरिक गतिविधियों के साथ सामूहिकता, बौद्धिक चिंतन और सामाजिक व्यवहार का अभ्यास कराया जाता है। संघ की संगठनात्मक विशेषता यह रही है कि यहां पद अथवा प्रतिष्ठा की अपेक्षा स्वयंसेवक के दायित्व और उसके व्यवहार को महत्व दिया जाता है।

मोहन भागवत ने नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड के नवीनीकृत मुख्यालय में नवनिर्मित सभागार के उद्घाटन समारोह में संघ के शुरुआती दिनों से जुड़ा इब्राहिम नामक व्यक्ति का प्रसंग सुनाया। उन्होंने बताया कि 1930 के दशक में सेंट्रल प्रोविंस की विधानसभा में संघ पर प्रतिबंध लगाने की मांग उठी थी। उस समय संगठन को बहुत कम लोग जानते थे, लेकिन डॉ. हेडगेवार की व्यक्तिगत पहचान थी। ऐसे कठिन समय में इब्राहिम नाम के व्यक्ति ने संघ के पक्ष में आवाज उठाई थी। उनका तर्क था कि संघ को सांप्रदायिक संगठन मानकर बंद करना उचित नहीं है। वे डॉ. हेडगेवार को जानते थे और उन्हें अच्छा व्यक्ति मानते थे। इसलिए केवल वैचारिक धारणाओं के आधार पर संगठन को दोषी ठहराना उचित नहीं समझते थे।

इब्राहिम का यह प्रसंग आज के सामाजिक वातावरण में विशेष महत्व रखता है। भारतीय समाज की खूबसूरती यह है कि यहां विचारों की भिन्नता के बावजूद एक-दूसरे के प्रति सम्मान और संवाद की परंपरा रही है। किसी व्यक्ति की पहचान केवल उसके धर्म, जाति अथवा राजनीतिक विचारों से नहीं होनी चाहिए। उसके व्यवहार, कार्य और सामाजिक योगदान को भी महत्व मिलना चाहिए। इब्राहिम ने जिस समय संघ के पक्ष में अपनी बात रखी, उस समय उन्होंने यह संदेश दिया कि किसी संगठन के बारे में धारणा बनाने से पहले उसके वास्तविक स्वरूप और उसके लोगों को समझना आवश्यक है। यह प्रसंग वैचारिक सहिष्णुता और लोकतांत्रिक संवाद की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

संघ के सामने सामाजिक समरसता की चुनौती भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। भारतीय समाज में जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानता जैसी समस्याएं लंबे समय से मौजूद रही हैं। संघ सार्वजनिक रूप से जाति-पांत से ऊपर उठकर संगठित समाज की बात करता है। किसी भी सामाजिक संगठन की सार्थकता तभी सिद्ध होती है, जब उसके विचार व्यवहार में दिखाई दें और समाज के अंतिम व्यक्ति को सम्मान तथा समान अवसर प्राप्त हों। सामाजिक एकता का अर्थ केवल एक विचार को स्वीकार करना नहीं, बल्कि विविधताओं का सम्मान करते हुए साझा राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देना भी है। मोहन भागवत द्वारा इब्राहिम का प्रसंग याद करना केवल संघ के पुराने इतिहास का उल्लेख नहीं है, बल्कि यह भी बताता है कि सामाजिक जीवन में व्यक्तिगत विश्वास और पारस्परिक सम्मान कितने महत्वपूर्ण हैं। राष्ट्र निर्माण किसी एक संगठन, राजनीतिक दल अथवा समुदाय की जिम्मेदारी नहीं हो सकता। इसमें सभी नागरिकों की समान भागीदारी आवश्यक है। सौ वर्षों बाद स्वयंसेवक की पहचान को रेखांकित करने के साथ सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि व्यक्ति निर्माण की यह भावना समाज में सेवा, सद्भाव, समानता और राष्ट्रीय एकता को कितना मजबूत करती है। भारत की शक्ति उसकी विविधता में एकता है और इस भावना को मजबूत करना प्रत्येक नागरिक तथा प्रत्येक सामाजिक संगठन का साझा दायित्व है।

(लेखक - कांतिलाल मांडोत)

एक दिन में 472 गर्भवतियों की जांच, 233 मिली हाई रिस्क... मातृ-शिशु को बचाने मैदान में उतरा स्वास्थ्य विभाग!

यश भारत, बैतूल । गर्भावस्था से संबंधित जटिलताओं का समय रहते पता लगाने और सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत जिले में मंगलवार को विशेष शिविरों का आयोजन किया गया। अभियान हर माह 9 और 25 तारीख को आयोजित किया जाता है।

प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजीव शर्मा ने बताया कि जिले में आयोजित शिविर में कुल 472 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिनमें से 233 हाई रिस्क चिन्हित की गईं। साथ ही 23 महिलाओं की सोनोग्राफी भी की गई। शिविर में सभी महिलाओं की खून की जांच एवं जीडीएम की जांच की गई।

कहां कितनी जांच हुई -

- जिला चिकित्सालय बैतूलः स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. ईशा डेनियल द्वारा 44 गर्भवती, 8 हाई रिस्क की जांच एवं 23 सोनोग्राफी - सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आठनेरः डॉ. मनोज भूमरकर द्वारा 33 गर्भवती, 18 हाई रिस्क



- सिविल अस्पताल आमलाः डॉ. वैशाली गुलवांसे द्वारा 17 गर्भवती, 03 हाई रिस्क - सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुलताईः डॉ. सरिता कालभोर द्वारा 50 गर्भवती, 18 हाई रिस्क - सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेहराः डॉ. कविता सिमैया द्वारा 90 गर्भवती, 20 हाई रिस्क - सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिचोलीः डॉ. रिषिका खोपर द्वारा 48 गर्भवती, 34 हाई रिस्क - सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभात पट्टनः डॉ. सोनाली मरकाम द्वारा 14 गर्भवती, 12 हाई रिस्क - सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भैंसदेहीः डॉ. वसीम खान एवं डॉ. सपना चौहान द्वारा 36 गर्भवती, 19 हाई रिस्क - सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोड़ाडोंगरीः डॉ. कविता कोरी द्वारा 53 गर्भवती, 37 हाई रिस्क - सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुरः डॉ. लवीना अखंडे द्वारा 59 गर्भवती, 35 हाई रिस्क - सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भीमपुर, दामजीपुराः डॉ. तरूणा काकोडिया द्वारा 28 गर्भवती, 06 हाई रिस्क शिविर का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व स्वास्थ्य संस्था में आवश्यक जांचें, चिकित्सकीय परीक्षण, परामर्श और हाई रिस्क महिलाओं का उचित प्रबंधन कर संस्थागत सुरक्षित प्रसव करवाना है, जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम किया जा सके।



'बैतूल में गांजा माफिया पर बड़ा प्रहार!

आमला-बोरदेही में 390 पौधे जब्त, 3 तस्कर गिरफ्तार, 4 लाख से ज्यादा का माल बरामद '

यश भारत, बैतूल/आमला। बैतूल जिले में गांजे की अवैध खेती के 3 और बड़े मामले सामने आए हैं। इस बार आमला और बोरदेही थाना क्षेत्र में गांजे की खेती पकड़ी गई है। आमला के साजपुर गांव से 271 पौधे जब्त कर 1 आरोपी को गिरफ्तार किया गया। वहीं बोरदेही के चिखलार गांव से 119 पौधे जब्त कर 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त किए गए पौधों की कीमत लाखों में बताई जा रही है।पुलिस ने बताया कि 10 नवंबर को आमला थाना क्षेत्र के ग्राम साजपुर में गांजे की अवैध खेती की सूचना प्राप्त हुई थी। इस पर पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी के खेत बाड़ी से गांजे के हरे-भरे 271 गीले पौधे जब्त किए, जिनका वजन 92 किलो 120 ग्राम और अनुमानित कीमत 2 लाख 76 हजार रुपये है। आरोपी को गिरफ्तार कर धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। आरोपी रहमी पिता झूलन सरेयाम (57) को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे जेल भेजा गया।बोरदेही पुलिस ने बताया कि ग्राम चिखलार में 2 स्थानों पर की गई कार्रवाई में खेत से 118 गांजे के हरे पौधे तथा घर के आंगन से 1 गांजे का पौधा बरामद किया गया है। कुल 15.162 किलोग्राम गांजे के पौधे जब्त किए गए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 1 लाख 44 हजार 500 रुपये है। पहले मामले में मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम चिखलार निवासी टीकाराम पिता जोंदरू धुर्वे (35) निवासी ग्राम चिखलार द्वारा अपने खेत में गांजे के पौधे लगाए गए हैं। इस पर पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर खेत की तलाशी ली गई। इस दौरान गन्ने की बाड़ी एवं खेत की मेढ़ पर गांजे के हरे पौधे लगे हुए पाए गए। पुलिस द्वारा वैधानिक कार्रवाई करते हुए गांजे के कुल 118 हरे पौधे जब्त किए, जिनका कुल वजन 10.712 किलोग्राम एवं अनुमानित कीमत 1 लाख रुपये है।दूसरे मामले में पुलिस टीम द्वारा ग्राम चिखलार निवासी हेमराज धुर्वे के घर के आंगन की तलाशी ली गई। जांच के दौरान घर के सामने आंगन में गांजे का 1 पौधा लगा हुआ पाया गया। इस पौधे का वजन 4.450 किलोग्राम एवं अनुमानित कीमत 44 हजार 500 रुपये है। मामले में आरोपी हेमराज पिता मंजू धुर्वे (30) निवासी ग्राम चिखलार के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार किया गया।

'रिश्तेदार से मिलने आया था, कुएं ने छीन ली जिंदगी! चिचोली में आशीष की दर्दनाक मौत, दीपावली पर परिवार में मातम '



यश भारत, बैतूल / चिचोली। चिचोली थाना क्षेत्र के ग्राम फोंगरिया मंडाई में कुएं में गिरने से 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान आशीष गुलाब वरकड़े के रूप में हुई है। वह अपने रिश्तेदार से मिलने गांव आया था। इसी दौरान गांव के पास स्थित कुएं में गिर गया। घटना के बाद ग्रामीणों की मदद से उसका शव कुएं से बाहर निकाला गया।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार को आशीष वरकड़े अपने रिश्तेदार से मिलने फोंगरिया मंडाई गांव पहुंचा था। इसी दौरान वह गांव के समीप बने कुएं में गिर गया। घटना की जानकारी मिलते ही चिचोली पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से युवक को कुएं से बाहर निकाला गया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिचोली भेज दिया।पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है। युवक किन परिस्थितियों में कुएं में गिरा, फिलहाल इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है। परिजनों ने भी मामले की जांच की मांग की है। दीपावली के पर्व के बीच हुई इस घटना से परिवार में शोक छा गया है। जवान बेटे की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी शोक का माहौल है।

अबुआ दिशुम, अबुआ राज! बैतूल में18 नवंबर तक गूंजेगा बिरसा मुंडा का शौर्य, भाजपा मनाएगी जनजातीय गौरव सप्ताहः डीडी उइके '

यश भारत, बैतूल। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में आगामी 11 से 18 नवंबर तक पूरे देश में 'जनजातीय गौरव सप्ताह' मनाया जाएगा। इस संबंध में जिला भाजपा कार्यालय विजय भवन में आयोजित एक पत्रकारवार्ता को केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके ने संबोधित किया। पत्रकारवार्ता के दौरान श्री उइके ने बताया कि मात्र 25 वर्ष की आयु में आदिवासी अस्मिता को बचाने और देश को आजादी दिलाने के लिए अपना बलिदान देने वाले भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर भाजपा संगठन समाज और सरकार के साथ मिलकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेगा। इन आयोजनों का मुख्य उद्देश्य जनजातीय नायकों के समाज में योगदान, गौरवशाली विरासत, लोककला और संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाना है।केंद्रीय राज्य मंत्री ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों को आगे बढ़ाते हुए देश के आदिवासी जननायकों के बलिदान को स्मरण किया जा रहा है। इसके तहत जनजातीय विकासखंडों में स्थित विभाग के विद्यालयों और छात्रावासों में छात्रों को भगवान बिरसा मुंडा सहित अन्य जनजातीय नायकों के शौर्य और बलिदान की गाथा बताई जाएगी। साथ ही, जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित विकास विभाग द्वारा संचालित शासकीय विद्यालयों में जनजातीय नायकों के योगदान विषय पर सांस्कृतिक व साहित्यिक कार्यक्रम, जनजातीय नृत्य, नाटक, संगीत, रंगोली, चित्रकला, निबंध और भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

आमला-ससुंद्रा मार्ग पर दिनदहाड़े सनसनीखेज वारदात! 5 बदमाशों ने किसान को लाठी-डंडों से पीटकर लूटे 10 हजार

आमला। थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आमला-ससुंद्रा मार्ग पर बुधवार दोपहर एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। नांदपुर-देवथान के रहने वाले किसान सुदर्शन पवार अपने खेत से डीजल लेने के लिए आमला पेट्रोल पंप जा रहे थे। दोपहर करीब 2:00 बजे, उनके खेत से कुछ ही दूरी पर स्थित गणेश मंदिर के पास, पांच अज्ञात बदमाशों ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया। बदमाशों ने किसान को रोककर लूटपाट की कोशिश की।

जब किसान सुदर्शन पवार ने इसका कड़ा विरोध किया, तो आरोपियों ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया। बदमाशों ने किसान को लाठी-डंडों से इतनी बेरहमी से पीटा कि वे लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। इसके बाद आरोपी किसान के पास रखे लगभग 10 हजार रुपये नकद लूटकर उन्हें मरणासन्न हालत में सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गए।

किसान की पुत्री से प्राप्त जानकारी के अनुसार किसान सुदर्शन पवार अपने खेत में बने घर में ही निवास करते हैं। दोपहर लगभग 2:00 बजे वे अपने घर से डीजल लाने के लिए 10 हजार रुपये लेकर निकले थे। महज 500 मीटर की दूरी पर बाइक सवार पांच आरोपियों ने रास्ते में उनकी बाइक को रोक लिया। इसके बाद आरोपियों ने किसान सुदर्शन पवार के साथ जमकर मारपीट की और उनके पास रखे 10 हजार रुपये लूट लिए।वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पीड़ित को लहूलुहान और घायल अवस्था में वहीं छोड़कर फरार हो गए। घटना के बाद आसपास खेतों में काम कर रहे अन्य किसानों ने मामले की सूचना पीड़ित के परिवार को दी। परिजन तुरंत घायल किसान को उपचार के लिए सिविल हॉस्पिटल आमला लेकर पहुंचे।सिविल हॉस्पिटल आमला के बीएमओ प्राप्त जानकारी के अनुसार बीएमओ प्रदीप जयंत ने बताया कि दोपहर एक मरीज गंभीर अवस्था में आया था। मरीज का नाम सुदर्शन पवार बताया गया है जो कि सर पर गंभीर चोट होने के चलते प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। वर्तमान में जिला अस्पताल में किसान का उपचार किया जा रहा है।

पुलिस विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार सह सहायक थाना प्रभारी ए.एस.आई. रामेश्वर सिंह ठाकुर द्वारा बताया गया कि नांदपुर-देवथान मध्य गणेश मंदिर कुछ दूरी पर किसान सुदर्शन पवार ने खेत से कुछ दूरी पर स्थित गणेश मंदिर के पास लोगों द्वारा नशे की हालत में किस को रास्ते में रोक कर किसान साथ मारपीट की गई वहीं किसान के पास रखी एवं घायल अवस्था में छोड़कर भाग गए। इसमें किसान सुदर्शन पवार द्वारा एक आरोपी की पहचान के आधार पर एक आरोपी सागर माथनकर उम्र 22 निवासी ससुंद्रा को गिरफ्तार कर लिया गया है।

कटनी

छह जिंदगियां आग में घिरी रहीं, सिस्टम सोता रहा!

बरही अग्निकांड ने फायर ब्रिगेड की तैयारियों और प्रशासनिक व्यवस्था की खोली पोल



खराब दमकल वाहन, फटे पाइप और घंटों की मशक्कत के बीच बुझ गए एक ही परिवार के छह चिराग

अब जांच नहीं, जवाबदेही तय करने का वक्त







कटनी/बरही, यशभारत। दीपावली की रात जब पूरा शहर रोशनी और खुशियों में डूबा था, तब बरही के मुख्य बाजार में एक परिवार जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा था। मकान की तीन मंजिलों में आग का तांडव था। धुएं के गुबार के बीच चीख-पुकार थी और घर के भीतर छह जिंदगियां बचने की उम्मीद में जूझ रही थीं। लेकिन विडंबना देखिए, जिस नगर में थाना, नगर परिषद और फायर ब्रिगेड लगभग आसपास मौजूद हैं, वहां आग बुझाने के लिए समय पर सक्षम दमकल वाहन और प्रभावी बचाव व्यवस्था तक उपलब्ध नहीं हो सकी। नतीजा यह हुआ कि अग्रवाल परिवार के छह सदस्य आग और दम घुटने से असमय काल के गाल में समा गए। यह महज एक अग्नि दुर्घटना नहीं, बल्कि हमारी आपदा प्रबंधन व्यवस्था के सामने खड़ा एक बेहद गंभीर सवाल है। इस हादसे की जो परिस्थितियां सामने आ रही हैं, वे किसी भी संवेदनशील व्यक्ति को भीतर तक झकझोर देने के लिए पर्याप्त हैं। रात करीब 12.10 बजे बरही के फायर वाहन को सूचना मिली। लगभग 12.50 बजे दमकल वाहन घटनास्थल पहुंचा, लेकिन उसकी पाइपलाइन फटी थी। नतीजा यह कि नोजल से केवल निचली मंजिल तक ही पानी पहुंच सका। इसके करीब 45 मिनट बाद विजयराघवगढ़ नगर परिषद का दमकल वाहन पहुंचा, उसकी पाइप भी फटी थी। वह भी आग बुझाने में नाकाम रहा। रात 1.30 बजे के बाद कैमोर का दमकल दस्ता पहुंचा और उसने मशक्कत शुरू की। इसके करीब 1 घंटे बाद कटनी से भी फायर वाहन पहुंचा, उसमें भी खराबी सामने आ गई। आखिरकार जेसीबी की मदद से मकान की जाली तोड़कर अंदर पहुंचने का रास्ता बनाया गया और आग पर काबू पाने के प्रयास किए गए। तब तक आग मकान की तीनों मंजिलों को अपनी चपेट में ले चुकी थी।

आग की लपटों के बीच लोग फोन लगाते रहे

इस पूरे घटनाक्रम का एक और बेहद गंभीर और चिंताजनक पहलू सामने आया है। घटनास्थल पर मौजूद लोग और पीड़ित परिवार के शुभचिंतक रातभर जिले के आला अधिकारियों और जिम्मेदार लोगों को लगातार फोन लगाते रहे, ताकि किसी तरह तत्काल मदद और प्रभावी रेस्क्यू की व्यवस्था हो सके। लेकिन आरोप है कि संकट की उस घड़ी में जिम्मेदार अधिकारियों ने लोगों के फोन तक रिसीव नहीं किए। सोचिएए जिस समय एक परिवार के सदस्य आग की लपटों के बीच जिंदगी और मौत से जूझ रहे थेए जिस समय हर गुजरता मिनट किसी की जान बचाने के लिए महत्वपूर्ण थाए उस समय मदद की गुहार लगाने वाले लोगों को जिम्मेदारों तक पहुंचने के लिए फोन पर फोन लगाने पड़ रहे थे। यदि यह स्थिति सही है तो इसकी भी जांच होनी चाहिए कि आखिर आपातकालीन परिस्थिति में जिम्मेदार अधिकारी लोगों की कॉल से अनजान क्यों बने रहे। क्या जिले में कोई ऐसा प्रभावी आपातकालीन संपर्क तंत्र नहीं है, जिसके माध्यम से संकट के समय तत्काल निर्णय और कार्रवाई हो सकेघ् आखिर प्रशासनिक पदों पर बैठे अधिकारियों की जिम्मेदारी केवल कार्यालयों तक सीमित है या आपदा की घड़ी में जनता की पुकार सुनना भी उनके दायित्व में शामिल है। जब आग मकान को निगल रही थीए तब लोग मदद के लिए फोन कर रहे थे। दमकल की गाड़ियां खराब थीं और जिम्मेदारों तक पहुंचने के रास्ते भी बंद नजर आ रहे थे। यह केवल संसाधनों की कमी का सवाल नहीं, बल्कि आपातकालीन व्यवस्था की जवाबदेही का भी सवाल है।

...तो फिर ऐसी व्यवस्था का औचित्य क्या

यह घटनाक्रम बताता है कि हमारे यहां आपातकालीन व्यवस्था की वास्तविक स्थिति क्या है। दमकल वाहन केवल सड़कों पर खड़े होने के लिए नहीं होते, उनका काम संकट की घड़ी में जिंदगी बचाना होता है लेकिन यदि सूचना मिलने के बाद पहुंचने वाले वाहनों की पाइपें ही फटी हों, उपकरण खराब हों और संसाधन मौके पर काम न कर सकें तो फिर ऐसी व्यवस्था का औचित्य क्या रह जाता है। सवाल यह भी है कि क्या इन वाहनों का नियमित निरीक्षण नहीं होता। क्या उनकी पाइप, पंप, नोजल और अन्य उपकरणों की कार्यक्षमता जांचने की कोई व्यवस्था नहीं है। यदि है तो फिर दीपावली जैसी संवेदनशील रात में एक के बाद एक दमकल वाहनों में खराबी कैसे सामने आई। अग्निकांड की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि क्रॉकरी दुकान में रखे प्लास्टिक के सामान ने आग को तेजी से फैलने का अवसर दिया। सीढ़ियों पर भी सामान रखा हुआ था, जिससे आग ऊपर की मंजिलों तक पहुंचती चली गई। तीसरी मंजिल के एक कमरे में रखे सामान ने भी आग को और विकराल बना दिया। परिवार के सदस्य जब तक कुछ समझ पाते, तब तक आग ने पूरे मकान को अपनी गिरफ्त में ले लिया था।

तहसीलदार के प्रतिवेदन में प्रशासनिक कमियों पर लीपापोती

कलेक्ट्रेट को सौंपी गई रिपोर्ट में समय, लेट-लतीफी और अधिकारियों की अनुपस्थिति का जिक्र गायब

कटनी, यशभारत। बरही नगर में दीपावली की रात भीषण अग्निकांड में एक ही परिवार के छह सदस्यों की दर्दनाक मौत के मामले में बरही तहसीलदार द्वारा कलेक्टर को अपना प्रतिवेदन सौंप दिया गया है। प्रतिवेदन में नगर परिषद और एसडीआरएफ टीम के पहुंचने का जिक्र तो किया गया है लेकिन प्रशासनिक स्तर पर हुई भारी लेटलतीफी, फायर ब्रिगेड के समय पर न पहुंचने, अधिकारियों के अनुपस्थित रहने और अमले की सुस्ती जैसे गंभीर बिंदुओं पर पूरी तरह पर्दा डालने की कोशिश की गई है। तहसीलदार द्वारा 9 नवंबर को प्रेषित इस प्रतिवेदन में उल्लेख किया गया है कि ग्राम बरही में स्थित पूरनलाल भगवान प्रसाद अग्रवाल के तीन मंजिला भवन के भू-तल पर प्लास्टिक एवं क्रॉकरी की दुकान संचालित थी तथा ऊपरी तलों पर आवासीय उपयोग होता था। रिपोर्ट के अनुसार रात्रि लगभग 12.30 बजे अज्ञात कारणों से आग लगी। सूचना मिलने पर बरही, विगढ़ एवं कैमौर के दमकल वाहन तथा एसडीआरएफ टीम कटनी से मौके पर पहुंची और बचाव कार्य किया। भू-तल पर केवल एक ही दरवाजा होने के कारण बचाव में कठिनाई आई, जिसके बाद खिड़की तोड़कर अंदर प्रवेश किया गया, जहां से एक ही परिवार के 6 सदस्यों के शव बरामद हुए।

छुपाये गए और नजरअंदाज किए गए मुख्य सवाल- तहसीलदार के इस प्रतिवेदन पर अब कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। रिपोर्ट में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि सूचना मिलने के कितने घंटे बाद फायर ब्रिगेड और एसडीआरएफ की टीमें वास्तव में मौके पर पहुंचीं। बचाव कार्य कब शुरू हुआ। आग लगने और प्रशासनिक मदद के पहुंचने के बीच के उन अहम घंटों का कोई जिक्र नहीं है, जिनमें समय पर क्रेन या प्रभावी संसाधन न मिलने के कारण लोगों को बचाया नहीं जा सका।

जिम्मेदारियों से बचाव- रिपोर्ट में पूरी घटना को सामान्य प्रक्रिया बताकर प्रशासनिक मशीनरी की सुस्ती और कमियों को ढकने का प्रयास किया गया है। अधिकारियों की अनुपस्थिति, समन्वय का अभाव, बड़ी संख्या में मौत के कारण का जिक्र तक नहीं है हालांकि तहसीलदार के इसी प्रतिवेदन को आधार बनाते हुए जिला कलेक्टर द्वारा इस मर्मस्पर्शी और भीषण अग्निकांड की मजिस्ट्रीयल जांच के आदेश दे दिए गए हैं। अब देखना यह होगा कि मजिस्ट्रीयल जांच में प्रशासनिक विफलता और लेटलतीफी की असल परतों से पर्दा उठता है या नहीं।

निजी व्यावसायियों की , लूट पर लगते रहे है आरोप, अतिक्रमण पर चुप हैं, स्थानीय प्रशासन, क्या एन जी टी के नियमों का पालन होता हैं?

कैसा होगा धार्मिक और पर्यटक स्थल पचमढ़ी में विकास कार्य

नर्मदापुरम(यश भारत)

म प्र का एक मात्र हिल स्टेशन पचमढ़ी कहने को तो एक पर्यटक और धार्मिक स्थल हैं, जहां आज साल भर पर्यटकों ओर श्रद्धालुओं का आना जाना लगा रहता हैं, पूरे देश से पर्यटक और श्रद्धालु पहुंचते हैं, मगर उनके साथ क्या व्यवहार वहां किया जाता हैं, उन्हें किस तरह लूटा जाता हैं इस पर भी लगाम लगना जरूरी हैं 7 आज निजी होटल, वाहन मालिक, थोपे जा रहे गाइड,इनकी मन मानी , अकड़ को कौन ठीक करेगा ? यह शासन को सोचना पड़ेगा, पर्यटन को बढ़ावा देना शासन की नीति हैं पर कैसे? उसके लिए नियमों का सख्ती से पालन होना जरूरी हैं , दुबारा वापस लौट कर पर्यटक आए, ना कि बदनामी का ठीकरा पचमढ़ी पर आए7 सूत्र बताते हैं कुछ स्थानीय रसूख दार पचमढ़ी को चला रहे हैं, जो शासन को भी गुमराह कर देते हैं, इसके कई उदाहरण देखने को मिल जाएंगे, निर्माण कार्य पर रोक थी बावजूद कई निर्माण कार्य हो गए, होटलें, मकान इत्यादि कार्य कैसे हो गए? कैसे अनुमतियाँ मिल गई, अतिक्रमण हो गया, जिसको हटाने में शासन कोई निर्णय नहीं ले पा रहा है, जंगल कट रहे हैं, पर्यटक स्थल पर दुकानें



बनती जा रही हैं कैसे? कौन नियमों के साथ खेल रहा हैं?

कलेक्टर ने किया दौरा

कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने पचमढ़ी पहुंच कर क्षेत्र में संचालित विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माणाधीन सड़कों, पर्यटन स्थलों, उद्यानिकी विभाग के पार्क एवं नर्सरी तथा साडा द्वारा संचालित न्यू होटल का जायजा लेकर संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

नियमों का पालन

कलेक्टर श्री वशिष्ठ ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि पचमढ़ी क्षेत्र में संचालित सभी निर्माण कार्यों को गति देने के लिए अन्य संबंधित विभागों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों के दौरान राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) एवं सर्वोच्च एवं उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेशों का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के



दौरान कलेक्टर ने बनाई जा रही सड़को का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़कों का निर्माण निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

कॉरिडोर में विकसित होगा फुटपार्क

कलेक्टर ने पचमढ़ी में प्रस्तावित मॉल रोड का निरीक्षण करते हुए पाइन ट्री कॉरिडोर में फुटपार्क विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में पर्यटकों के पैदल भ्रमण के लिए बेहतर सुविधा विकसित की जाए, जिससे पर्यटक पचमढ़ी के नैसर्गिक सौंदर्य एवं प्राकृतिक वातावरण का आनंद ले सकें।

राजस्व प्रकरणों के निराकरण

कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पिपरिया को निर्देश दिए कि पचमढ़ी क्षेत्र के सभी लंबित एवं अन्य राजस्व प्रकरणों का बारीकी से परीक्षण कर उनके निराकरण के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जाए। कार्ययोजना के अनुसार प्रत्येक प्रकरण में समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। शासन योजना तो बना देता हैं उसके बाद कैसे रसूखदारों का हस्तक्षेप बढ़ जाता हैं ? वह किस तरह से योजनाओं और निर्देशों के बीच अपने लाभ की योजना बना लेते हैं, योजना के बीच अपने फायदे का पेच फंसा देते हैं7 सूत्र बताते हैं, संरक्षण में बाहरी लोगों का प्रवेश भी बढ़ गया हैं, स्थानीय आबादी कितनी थी? अचानक कैसे बढ़ जाती हैं ? शासन को बाहरी लोगों पर भी नजर रखना जरूरी हैं, वो किस नियम के तहत प्रवेश ले रहे हैं।

पार्क एवं नर्सरी को पर्यटन गतिविधियों से जुड़े

कलेक्टर ने उद्यानिकी विभाग के पार्क एवं नर्सरी का भ्रमण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं और विकास की संभावनाओं का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि स्थलों का बेहतर विकास होने से पर्यटकों का आवागमन बढ़ेगा और उन्हें प्राकृतिक वातावरण के बीच भ्रमण का एक अच्छा विकल्प उपलब्ध होगा।

नगर किसान कांग्रेस ने सांसद का किया पुतला दहन

नर्मदापुरम, यशभारत। सतरस्ते पर नगर किसान कांग्रेस के नेतृत्व में रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा का पुतला दहन किया गया जिसमें नगर किसान कांग्रेस अध्यक्ष शिवमंगल सिंह चौहान, उपाध्यक्ष पवन थापक, गोरी शंकर यादव, महामंत्री शेख पप्पू, वरिष्ठ कांग्रेसी अनोखीलाल राजोरिया, बबलू राठौर, युवा जिला महामंत्री सूरज तिवारी, नगर सेवा दल अध्यक्ष सलीम खान, महिला सेवा दल जिला अध्यक्ष पुष्पलता जायसवाल, युवा आशिफ राईन, सिराज , खान, कुलदीप राठौर, अफरीद खान, गुलाम हैदर, अफजल अरमान, सहिद खान, प्रदीप साहू, पारस पचौरी, आजाद भाटिया, ओमप्रकाश बानिया मोहन वैध, राहुल कुचबंदिया, कपिल यादव, महेंद्र गुजरे, राहुल शंकर, राहुल रावत, सहित कांग्रेस जन उपस्थित थे।



दो भैंसों की भिड़ंत ने रोकी रफ्तार, बुलानी पड़ी फायर ब्रिगेड.. !



नर्मदापुरम/इटारसी, यशभारत। कृषि उपज मंडी खेड़ा के पास मुख्य मार्ग पर उस वक्त हड़कंप मच गया जब सड़क के बीचों- बीच दो ताकतवर भैंसें आपस में भिड़ गईं। दोनों के बीच छिड़ी इस जोरदार जंग ने ऐसा तांडव मचाया कि मुख्य मार्ग पर एक घंटे से अधिक समय तक पूरी तरह से आवागमन ठप हो गया।भैंसों की इस भिड़ंत को सुलझाने के लिए स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर हर मुमकिन कोशिश की। उन्हें हटाने के लिए लकड़ियों और पटाखों का इस्तेमाल किया गया, लेकिन गुस्से में तपे दोनों जानवर टस से मस होने को तैयार नहीं थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पानी के टैंकर और फायर ब्रिगेड को बुलाना पड़ा। दमकल की तेज बौछारों के बाद जाकर कहीं दोनों का गुस्सा शांत हुआ और उनमें से एक भैंस के हटने पर यातायात सुचारू हो पाया।इस अनोखे दंगल के दौरान सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं और राहगीर इस नजारे को देखने के लिए रुक गए।

गौ माता पूजन श्रद्धा और भक्ति के साथ हुआ



नर्मदापुरम/सिवनीमालवा, यशभारत। नगर में गौ माता पूजन का कार्यक्रम पी.डी. सारडा के निवास पर श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर गौ माता का विधि-विधान से पूजन किया। पूजन के दौरान गौ माता को चुनरी ओढ़ाई गई, मोर पंख, पायल और फूल-माला पहनाकर तिलक लगाकर सजाया गया। इसके पश्चात गुड़, चना, हरा चारा व फल अर्पित किए गए। श्रद्धालुओं ने गौ माता की आरती कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।इस अवसर पर पी.डी. सारडा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गाय को माता का दर्जा दिया गया है। गौ सेवा सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। उन्होंने सभी से गौ रक्षा और गौ सेवा के लिए आगे आने का आह्वान किया।कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर पी.डी. सारडा, धर्मेंद्र सारडा, निर्मल सारडा, ऊषा सारडा, नितिका सारडा, सचिन अग्रवाल, संजीव अग्रवाल सहित वार्ड वासी उपस्थित थे।

बहन ने लगाया रक्षा का तिलक, हेलमेट पहनाकर लिया सुरक्षा का वचन

भाई दूज पर ट्रैफिक पुलिस की अभिनव पहल, बहनों ने भाइयों को पहनाया हेलमेट

नर्मदापुरम, यशभारत।

जिले के पुलिस कप्तान दीपक कुमार शुक्ला के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में ट्रैफिक डीएसपी संतोष मिश्रा के कुशल नेतृत्व में यातायात पुलिस नर्मदापुरम द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर एक अनूठी एवं भावनात्मक पहल की गई। इस पहल के तहत बहनों ने अपने भाइयों को स्वयं हेलमेट पहनाकर उनसे जीवनभर दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने का वचन लिया। यातायात पुलिस की इस पहल ने भाई दूज के पारंपरिक पर्व को सड़क सुरक्षा के एक सार्थक सामाजिक संदेश से जोड़ दिया।

अभियान के दौरान इटारसी मार्ग पर भाई दूज मनाने के लिए दोपहिया वाहनों से जा रहे भाई- बहनों को रोककर उनसे आत्मीय संवाद किया गया तथा सड़क सुरक्षा के महत्व से अवगत कराया गया।यातायात पुलिस द्वारा बहनों को बताया गया कि भाई दूज पर वे अपने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करती हैं। लेकिन भाई के प्रति प्रेम और उसकी लंबी उम्र की कामना तभी सार्थक होगी, जब उसकी सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा जाए। रक्षा का तिलक लगाने के साथ भाई को हेलमेट पहनाना भी उसकी सुरक्षा के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी का प्रतीक है।यातायात पुलिस द्वारा समय-समय पर हेलमेट के महत्व को लेकर जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं तथा वाहन चालकों को समझाइश दी जाती है। इसके बावजूद अनेक लोग बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाते हैं और अपनी जान जोखिम में डालते हैं। इसी चुनौती को देखते हुए यातायात पुलिस ने इस बार जागरूकता का एक अभिनव और भावनात्मक तरीका अपनाया।



इसी सोच को साकार करते हुए अभियान के दौरान लगभग 20 बहनों से उनके भाइयों को यातायात पुलिस नर्मदापुरम द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराए गए हेलमेट स्वयं पहनवाए गए। साथ ही बहनों ने अपने भाइयों से वचन लिया कि वे भविष्य में कभी भी बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन नहीं चलाएंगे। भाइयों ने भी अपनी बहनों के विश्वास को बनाए रखने और प्रत्येक यात्रा में हेलमेट पहनने का संकल्प लिया।इस अनूठी पहल के माध्यम से यातायात पुलिस ने यह संदेश देने का प्रयास किया कि सड़क सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति और उसके परिवार से जुड़ा हुआ विषय है। अपनों का प्रेम और विश्वास भी यातायात नियमों के पालन के लिए एक मजबूत प्रेरणा बन सकता है।

तबादले के बाद,डॉक्टर नहीं होने से मरीज परेशान

सोहागपुर(यश भारत)

नगर के सरकारी अस्पताल में पदस्थ एकमात्र नाक, कान और गला (श्वहज्ञ) विशेषज्ञ डॉक्टर कमलेश विश्वास का तबादला नर्मदापुरम कर दिया गया है। उनके जाने के बाद से इस पूरे क्षेत्र में ईएनटी से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चरमरा गई हैं, जिसका सीधा खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

मरीजों को इलाज के लिए दूसरे शहरों का रुख करने से न केवल उनके समय की बर्बादी हो रही है, बल्कि आर्थिक बोझ भी बढ़ गया है। यात्रा का किराया, प्राइवेट अस्पतालों की महंगी फीस और दिनभर की मजदूरी का नुकसान आम आदमी की कमर तोड़ रहा है।

आरोप लग रहे हैं कि बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के एकमात्र विशेषज्ञ का तबादला कर दिया गया। स्थानीय लोगों ने स्वास्थ्य विभाग और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि सोहागपुर में जल्द से जल्द एक नए ईएनटी विशेषज्ञ की नियुक्ति की जाए, ताकि आम जनता को इस परेशानी से निजात मिल सके और स्वास्थ्य के बुनियादी अधिकार से कोई वंचित न रहे।

5 मोबाइल फोन सहित कुल 75,900 रुपये की सामग्री जब्त

बुदनी पुलिस ने 7 जुआरियों को गिरफ्तार कर 18 हजार 900 रुपये नगद जब्त किए

नर्मदापुरम/ बुधनी, यशभारत।

सिहोर जिले की पुलिस कप्तान सोनाक्षी सक्सेना के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी डॉ. प्रशांत चौबे के मार्गदर्शन में एसडीओपी रवि शर्मा के कुशल नेतृत्व में बुधनी थाना टी आई सुनील ठाकुर और उनकी टीम ने ग्राम तालपुरा में जुआ खेल रहे 7 जुआरियों को गिरफ्तार कर 18 हजार 900 नगद सहित 5 मोबाइल ओर ताश की गड्डी जब्त करने में सफलता प्राप्त की है। तत्संबंध में बुधनी थाना टी आई सुनील ठाकुर ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने ग्राम तालपुरा में घेराबंदी कर 7 जुआरियों को मौके से गिरफ्तार किया हालांकि जुआरियों ने भागने का भरसक प्रयास किया लेकिन पुलिस की पकड़ से वे बच नहीं पाये।इस दौरान मौके से पुलिस ने जुआरी आदर्श सलामे, प्रभात सिंह राजपूत रामराज कुशवाह,सोहिल कुरैशी,



मोनू पवार,कमल सिंह मीना,लालाराम अहिरवार,को गिरफ्तार कर आरोपियों के कब्जे एवं जुए के फड़ से कुल 18,900 रुपये नगद, 52 ताश के पत्ते एवं 05 विभिन्न कंपनियों के मोबाइल फोन, कुल अनुमानित कीमत 57,000 रुपये जब्त किए गए। इस प्रकार पुलिस द्वारा कुल 75,900 रुपये की सामग्री जब्त की गई।

आरोपियों के विरुद्ध धारा 13 जुआ एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्रवाई की गई। आरोपियों को धारा 35(3) बीएनएसएस के तहत नोटिस तामील कर नियमानुसार रिहा किया गया। प्रकरण विवेचना में लिया गया है। उक्त कार्रवाई में

थाना प्रभारी बुदनी सुनील ठाकुर के नेतृत्व में उनि राजेश मालवीय, प्र.आर. नरेंद्र चौरे, दीपक चौहान, आर.सोनू चौहान, सौरभ ठाकुर, अनुज यादव,संतोष,गोविंद, दीपक सेन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पुलिस ने 8 घंटे में खंडवा से 15 वर्षीय अपहृत बालक को सकुशल किया दस्तयाब

नर्मदापुरम/सिवनीमालवा, यशभारत। जिले के पुलिस कप्तान दीपक कुमार शुक्ला के दिशा निर्देशन में एवं एएसपी अभिषेक राजन के मार्गदर्शन में एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान के कुशल नेतृत्व में सिवनीमालवा थाना टी आई नवीन पांडे और उनकी टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक 15 वर्षीय अपहृत बालक को मात्र 08 घंटे के भीतर खंडवा से सकुशल दस्तयाब करने में सफलता प्राप्त की। तत्संबंध में पुलिस ने बताया कि फरियादी भीम सिंह कीर, निवासी ग्राम आंवलीघाट ने 10 नवंबर को रात्रि लगभग 08:00 बजे थाना सिवनीमालवा में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनका 15 वर्षीय पुत्र घर से बिना बताए कहीं चला गया है। रिपोर्ट पर थाना सिवनी मालवा में अपराध क्रमांक 806/26, धारा 137(2) बीएनएस के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर बालक की तलाश प्रारंभ की गई।पुलिस टीम ने बालक की तलाश के लिए विभिन्न स्थानों पर जांच-पड़ताल की। इस दौरान सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का अवलोकन किया गया तथा तकनीकी सहायता से बालक की आवाजाही और उसके संभावित



ठिकानों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी जुटाई गई।पुलिस टीम ने जीआरपी खंडवा एवं आरपीएफ पुलिस से समन्वय स्थापित कर उनका सहयोग प्राप्त किया। पुलिस के सतत प्रयासों, सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण, तकनीकी सहायता एवं जीआरपी तथा आरपीएफ के सहयोग से अपहृत बालक को रात्रि में खंडवा से सकुशल दस्तयाब कर लिया गया।

3 दिनों से लापता युवक का शव जंगल में पहाड़ी पर मिला

नर्मदापुरम/इटारसी, यशभारत। केसला थाना अंतर्गत बानापुरा रेंज के जंगल में भोडिया पहाड़ी पर 3 दिनों से लापता एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि वन विभाग के एक कर्मचारी की सूचना पर केसला थाना पुलिस मौके पर पहुंची ओर शव बरामद किया।पुलिस को आशंका है कि युवक ने पहाड़ी से कूदकर आत्महत्या की है। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान सारादेह निवासी सुरेंद्र पिता नेपाल सलाम (24) के रूप में हुई है। वह तीन दिन पहले घर से आत्महत्या करने की बात कहकर निकला था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। बताया गया कि युवक के परिजनों ने युवक के लापता होने की शिकायत थाने में की थी। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है।

दीपावली के बाद लगता हैं परंपराओं का मेला, ऐतिहासिक परंपराओं का अनोखा संगम

सोहागपुर(यश भारत)

भाई दूज (यम द्वितीया) के पावन अवसर पर सोहागपुर के रामलीला मैदान में पारंपरिक चंडी मेला (जिसे मढ़ई मेला भी कहा जाता है) अत्यंत धूमधाम, उल्लास और गहरी श्रद्धा के साथ आयोजित किया गया। करीब 150 से 250 साल पुरानी इस ऐतिहासिक और प्राचीन परंपरा में एक बार फिर ग्रामीण आस्था और लोक संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिला।

250 साल पुराने , पारंपरिक मढ़ई मेले की हुई शुरुआत

मोर पंखों से सजी ढालें

मेले का सबसे प्रमुख आकर्षण मोर पंखों से सजी भव्य और पारंपरिक ढालें रहीं, जिन्हें लेकर स्थानीय तांत्रिक, पंडा-पड़िहार और श्रद्धालु आयोजन स्थल पर एकत्रित हुए। आदिवासी और ग्रामीण अंचलों में गहरी आस्था रखने वाले लोग लंबे बांस पर मोर पंख, फूल-मालाओं और रंग-बिरंगी बिजली की



रोशनी से इन ढालों को भव्य रूप देते हैं। प्रत्येक ढाल के साथ 20-25 ग्रामीणों की एक टोली होती है, जिसमें मुख्य व्यक्ति ढाल को अपनी कमर में बांधकर चलता है।



पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य

मेले के दौरान गाजे-बाजे का विशेष उत्साह दिखा। लोग टिमकी और ढोलक की थाप पर धार्मिक गीत गाते हुए ढालों के साथ-साथ नाचते नजर आए। इसके अलावा, पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा में पहुंचे लोगों ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर वहां मौजूद सभी दर्शकों का दिल जीत लिया।

उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

इस आयोजन में सोहागपुर नगर के साथ-साथ आसपास के नयागांव, सिटिया, गोहना, नागटरा, खापा गोड़ी जैसे कई ग्रामीण और आदिवासी अंचलों से बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। मेले में ढालों के साथ मां चंडी और गांगो माई (गांगो तेलन) की प्रतिमा की विधि-विधान से परिक्रमा कराई गई। मुख्य पंडा द्वारा विधिवत पूजन-अर्चन किया गया।

कार्तिक पूर्णिमा तक चलेगा मेला

मेले में बच्चों के खिलौने, मनिहारी का सामान, खाने-पीने की दुकानें और झूले भी लगाए गए, जहां लोगों ने जमकर खरीदारी की और मेले का लुत्फ उठाया। ग्रामीण क्षेत्रों में यह उत्सव कार्तिक पूर्णिमा तक प्रतिदिन रात्रि में जारी रहेगा, जहां धार्मिक अनुष्ठान होंगे और पूर्णिमा के दिन ढालों का विसर्जन किया जाएगा। यह चंडी मेला केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि इस अंचल की उस पैतृक धरोहर और अटूट आस्था का प्रतीक है, जो पीढ़ियों से चली आ रही है।

छठ पर्व के मद्देनजर रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ की कंट्रोल रूम से सतत निगरानी

नर्मदापुरम, यशभारत। छठ पर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए पश्चिम मध्य रेल, भोपाल मंडल द्वारा प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर यात्री भीड़ की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। यात्रियों की सुरक्षा,सुविधा एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्टेशनों पर भीड़ की स्थिति की कंट्रोल रूम के माध्यम से सतत निगरानी की जा रही है। मंडल रेल प्रशासन द्वारा भोपाल, रानी कमलापति, इटारसी, बीना, विदिशा, नर्मदापुरम सहित अन्य प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों की आवाजाही एवं भीड़ की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कंट्रोल रूम से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर संबंधित अधिकारियों एवं स्टेशन प्रबंधन के साथ समन्वय बनाकर आवश्यक व्यवस्थाओं की निगरानी की जा रही है।स्टेशनों पर यात्रियों के आवागमन को सुचारु बनाए रखने,प्लेटफॉर्म एवं सर्कुलेटिंग एरिया में भीड़ प्रबंधन, यात्रियों को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराने तथा किसी भी संभावित असुविधा को समय रहते दूर करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। साथ ही, यात्रियों से अपील की जा रही है कि वे स्टेशन परिसर में रेलवे द्वारा निर्धारित दिशा- निर्देशों का पालन करें और यात्रा के दौरान अनुशासन बनाए रखें। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि छठ पर्व के दौरान यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए स्थिति पर निरंतर नजर रखे हुए है, ताकि यात्रियों को सुरक्षित, व्यवस्थित एवं सुविधाजनक रेल यात्रा का अनुभव मिल सके।



10 साल की ईरा ने बनाए 6 वर्ल्ड रिकॉर्ड

दुनिया की सबसे कम उम्र की क्वालिफाइड स्कूबा डाइवर बनीं,माता-पिता नेवी में कमांडर



बुलढाणा, एजेंसी। महाराष्ट्र के बुलढाणा की 10 साल की ईरा आदित्य राउत ने स्कूबा डाइविंग में एक दिन में 6 वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए हैं। उन्होंने 10 साल, 17 घंटे और 35 मिनट की उम्र में दुनिया की सबसे कम उम्र की क्वालिफाइड स्कूबा डाइवर बनने का रिकॉर्ड बनाया। ईरा ने यह उपलब्धि अंडमान-निकोबार के शहीद द्वीप स्थित डाइव ट्राइब सेंटर में हासिल की। उनके माता-पिता दोनों भारतीय नौसेना में कमांडर हैं। ईरा की स्कूबा डाइविंग योग्यता को अंतरराष्ट्रीय संस्था स्कूबा स्कूल्स इंटरनेशनल (स्स्ढ्ढ) ने प्रमाणित किया है। वहीं, इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स के निर्णायक अरविंदर सिंह भाटी ने मौके पर उनके सभी 6 रिकॉर्ड की जांच कर पुष्टि की।

पानी के अंदर 1 मिनट में सबसे ज्यादा हैंड सिग्नल दिखाए

ईरा ने सबसे कम उम्र की क्वालिफाइड स्कूबा डाइवर बनने के अलावा पानी के अंदर कई रिकॉर्ड बनाए। इनमें तीन रिकॉर्ड टीनएज से कम उम्र के प्रतिभागियों की कैटेगरी में दर्ज हुए।

हैंड सिग्नल-पानी के अंदर 1 मिनट में सबसे ज्यादा स्कूबा डाइविंग हैंड सिग्नल दिखाने का रिकॉर्ड।

डाइविंग उपकरणों की पहचान-पानी के नीचे सबसे ज्यादा डाइविंग उपकरणों की पहचान करने का रिकॉर्ड।

सबसे ज्यादा दूरी-पानी के अंदर 1 मिनट में सबसे ज्यादा दूरी तय करने का रिकॉर्ड।

समुद्री जीवों की पहचान-स्कूबा डाइविंग के दौरान सबसे ज्यादा समुद्री जीवों की प्रजातियों की पहचान करने का रिकॉर्ड। एक दिन में 6 रिकॉर्ड्स एक ही दिन में 6 अलग-अलग वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का कीर्तिमान।

पिता-मां नेवी में कमांडर, दादा भी रह चुके नौसेना अधिकारी

ईरा के पिता कमांडर आदित्य राउत और मां कमांडर स्नेह बुडाकोटी भारतीय नौसेना में सेवाएं दे रहे हैं। उनके दादा अशोक राजाराम राउत भी नौसेना में कमांडर रह चुके हैं। ईरा का परिवार मूल रूप से महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले का रहने वाला है।

ईरा फिलहाल कर्नाटक के कारवार स्थित नेवल चिल्ड्रन स्कूल में कक्षा 5वीं की छात्रा हैं। नौसेना से जुड़े परिवार में पली-बढ़ीं ईरा ने कम उम्र में ही स्कूबा डाइविंग जैसे एडवेंचर स्पोर्ट्स में रुचि दिखाई।

राज्य स्तरीय जूनियर खो-खो प्रतियोगिता का शानदार आगाज, जबलपुर की धाकड़ शुरूआत

जबलपुर, यशभारत। 45वीं जूनियर राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का शुभारंभ बुधवार को उत्साह, उमंग और खेल भावना के साथ हुआ।प्रतियोगिता का पहला मुकाबला मेजबान जबलपुर और अमरिया के बीच खेला गया। इसमें जबलपुर की टीम ने शुरुआत से ही शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए अमरिया को एक पारी और आठ अंकों से पराजित कर विजयी आगाज किया। घरेलू मैदान पर मिली इस जीत से जबलपुर के खिलाड़ियों में खासा उत्साह नजर आया।



प्रतियोगिता के पहले दिन बालक वर्ग में बैतूल की टीम ने पन्ना को एक पारी और 20 अंकों से करारी शिकस्त दी। शहडोल ने हरदा को पांच अंकों से तथा मंडला ने भोपाल को सात अंकों से पराजित किया। वहीं विदिशा और रतलाम के बीच खेला गया मुकाबला बराबरी पर समाप्त हुआ। बालिका वर्ग में नरसिंहपुर ने हरदा को एक पारी और नौ अंकों से हराया। मंडला ने शहडोल को एक पारी और 14 अंकों से तथा विदिशा ने पन्ना को एक पारी और चार अंकों से पराजित किया।

अलावा बैतूल ने बुरहानपुर को पांच अंकों से, सीहोर ने बालाघाट को तीन अंकों से और खंडवा ने अनूपपुर को एक पारी और 18 अंकों से हराकर अगले मुकाबलों के लिए अपनी स्थिति मजबूत की। प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में पाटन विधायक अजय विश्नोई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ के सचिव दिग्विजय सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मनोज यादव, रामकुमार यादव एवं नरेश मौजूद रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश खो-खो संघ के संरक्षक पं. योगेश दुबे, सचिव संजय यादव, विनोद पोद्दार, नैसी जैन, आफरीन शेख, पूजा बर्मन एवं शुभम काछी ने अतिथियों का स्वागत किया। प्रतियोगिता के दौरान निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए चन्द्रशेखर स्वामी, सुनील परमार, जीतू तिवारी, विवेक यादव, अरुणा काछी, दीपक कुमार, आकाश खत्री, गोल्डी गुप्ता एवं मोनिका मेहता ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस अवसर पर मुकेश सिंह, बृजेश मिश्रा एवं मोहन यादव सहित खेल जगत से जुड़े अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आशुतोष तिवारी ने किया। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंची बालक एवं बालिका टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिल रहे हैं। पहले दिन के परिणामों ने प्रतियोगिता को रोचक बना दिया है।

बांग्लादेश के मुस्तफिजुर ने कराया IPL ऑक्शन में रजिस्ट्रेशन

मुंबई, यशभारत। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान ने IPL-2027 के मिनी ऑक्शन के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी शहरयार नफीस ने इसकी पुष्टि की है।मुस्तफिजुर को पिछले सीजन शाहरुख खान की टीम कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने 9.20 करोड़ रुपए में खरीदा था। वे IPL के सबसे महंगे बांग्लादेशी खिलाड़ी बने थे। हालांकि, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के बीच उनके IPL में खेलने को लेकर विरोध शुरु हो गया था। इसके बाद BCCI के निर्देश पर चयनकर्ताओं ने उन्हें टीम से रिलीज कर दिया। विवाद तब और बढ़ा जब बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत में टी-20 वर्ल्ड कप 2026 खेलने से मना कर दिया। टीम ने कहा कि उसके सभी मैच श्रीलंका में कराए जाए, लेकिन ICC ने इस अपील को रिजेक्ट कर दिया। उसकी जगह स्कॉटलैंड टूर्नामेंट खेली थी।

सुरेन्द्र जायसवाल जूनियर डिवीजन एवं रमेश चौकसे सीनियर डिवीजन फुटबॉल प्रतियोगिता

स्पार्टन एफसी -स्टेमफील्ड एफसी की शानदार जीत

जबलपुर, यशभारत। जिला फुटबॉल संघ के तत्वावधान में शिवाजी ग्राउंड में खेली जा रही सुरेन्द्र जायसवाल जूनियर डिवीजन एवं रमेश चौकसे सीनियर डिवीजन फुटबॉल प्रतियोगिता में आज दो मुकाबले खेले गए। जूनियर डिवीजन में स्पार्टन एफसी ने फाउंडेशन एफसी को एकतरफा मुकाबले में 6-0 से पराजित किया, वहीं सीनियर डिवीजन में स्टेम फील्ड एफसी ने जीनियस एफसी को 6-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश की उम्मीदों को बरकरार रखा।



जूनियर डिवीजन के मुकाबले में स्पार्टन एफसी ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। टीम ने मैदान पर उतरते ही फाउंडेशन एफसी पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। इसका नतीजा रहा कि मैच के 10वें मिनट में स्पार्टन ने पहला गोल दागकर बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद टीम ने अपने हमलों की रफ्तार और तेज कर दी। 14वें मिनट में दूसरा और 18वें मिनट में तीसरा गोल कर स्पार्टन ने मुकाबले पर पूरी तरह पकड़ बना ली। फाउंडेशन एफसी ने गोल अंतर कम करने के लिए कई प्रयास किए, लेकिन स्पार्टन के मजबूत रक्षापंक्ति के सामने उसकी एक नहीं चली। मध्यांतर तक स्पार्टन एफसी 3-0 से आगे रही। मध्यांतर के बाद भी स्पार्टन का आक्रामक खेल जारी रहा। टीम ने 56वें मिनट में चौथा, 67वें मिनट में पांचवां और 78वें मिनट में छठा गोल दागकर फाउंडेशन एफसी की वापसी की सभी उम्मीदों पर विराम लगा दिया। निर्धारित समय की समाप्ति पर स्पार्टन एफसी ने 6-0 से शानदार जीत दर्ज की।

वहीं रमेश चौकसे सीनियर डिवीजन प्रतियोगिता के दूसरे मुकाबले में स्टेम फील्ड एफसी और जीनियस एफसी के बीच भिड़ंत हुई। मैच के शुरुआती मिनटों में दोनों टीमों ने गोल करने के लिए प्रयास किए, लेकिन आपसी तालमेल और कमजोर फिनिशिंग के कारण शुरुआत में सफलता नहीं मिल सकी। हालांकि पांचवें मिनट में स्टेम फील्ड ने पहला गोल कर बढ़त बना ली। इसके बाद टीम ने 15वें मिनट में दूसरा और 20वें मिनट में तीसरा गोल दागकर जीनियस एफसी को दबाव में ला दिया। मध्यांतर तक स्टेम फील्ड 3-0 से आगे रही। मध्यांतर के बाद जीनियस एफसी ने वापसी के लिए हमले तेज किए, लेकिन खिलाड़ियों के निशाने चूकने के कारण टीम गोल करने में सफल नहीं हो सकी। दूसरी ओर स्टीम फील्ड ने अपने आक्रामक खेल को जारी रखते हुए 60वें मिनट में चौथा, 65वें मिनट में पांचवां और 80वें मिनट में छठा गोल किया। इस तरह स्टेम फील्ड एफसी ने जीनियस एफसी को 6-0 से करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा। दोनों मुकाबलों में निर्णायक की भूमिका मो. अफजल, कुलदीप, हरी रजक, अतुल तिवारी, उत्तम कुमार, रिचर्ड एवं चंद्रा मलिक ने निभाई।

कुश्ती टीम के लिए चयन ट्रायल कल

जबलपुर , यशभारत। राज्य स्तरीय सीनियर कुश्ती प्रतियोगिता आयोजन ग्वालियर में होने जा रहा है। इस प्रतियोगिता में जबलपुर का प्रतिनिधित्व करने वाली महिला पुरुष टीम के गठन के लिए 13 नबंबर को चयन स्पर्धा आयोजित जाएगी।



यह ट्रायल रानीताल परिसर स्थित जनभागीदारी प्रशिक्षण केंद्र में दोपहर 3 से शुरू होगा। पुरुष फ्रीस्टाइल में 57 से 125 किलोग्राम तक की 10, ग्रीको रोमन में 55 से 130 किलोग्राम तक की 10 और महिला फ्रीस्टाइल में 50 से 76 किलोग्राम तक की 10 वजन श्रेणियों में मुकाबले होंगे। ग्वालियर में 28 और 29 नवंबर को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता आयोजित होगी। इसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी ही दिसंबर में उज्जैन में होने वाली राष्ट्रीय सीनियर कुश्ती प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए जबलपुर की टीम घोषित, अथर्व शर्मा को मिली कमान



जबलपुर, यशभारत। संभागीय क्रिकेट संघ के तत्वावधान में आयोजित अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए जबलपुर जिला टीम की घोषणा कर दी गई है। टीम की कमान अथर्व शर्मा को सौंपी गई है, जबकि आर्यन पटेल उपकप्तान होंगे। टीम में श्लोक दुबे, ओझा सहारा, शोर पारेता, सक्षम वर्मा, अनंत कुशवाहा, श्रेयांश पांडे, कौशिक सिंह, असलन अली, उमंग शर्मा, आरव राजपूत, विनायक पांडे, अंश शर्मा, रुद्राक्ष मिश्रा और वंश जैन को शामिल किया गया है। वह अतिरिक्त खिलाडियों के रूप रुद्रा विश्वकर्मा, यश रजक, विन यादव और लक्ष्य नामदेव को गया है।

रंग संसार

अपनी फिटनेस के प्रति बेहद समर्पित है सोहा अली खान



मुंबई (यशभारत)। 45 वर्ष की उम्र में भी अभिनेत्री सोहा अली खान अपनी फिटनेस के प्रति बेहद समर्पित हैं और नियमित रूप से कड़ी मेहनत से व्यायाम करती हैं। हाल ही में, उन्होंने अपने जिम साथियों के साथ एक गतिशीलता चुनौती (मोबिलिटी चैलेंज) में हिस्सा लिया, जो उनके लिए बेहद ज्ञानवर्धक अनुभव साबित हुआ। इस चुनौती में उन्हें बिना हाथों का सहारा लिए फर्श पर लेटना था और फिर वापस उठना था। 'रंग दे बसंती' जैसी फिल्मों में अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीतने वाली सोहा ने बताया कि यह चुनौती देखने में भले ही छोटी और सीधी-सादी लगे, लेकिन इसमें कूल्हे की गतिशीलता, निचले शरीर की ताकत, संतुलन, लचीलापन और शरीर के अंगों के बीच समन्वय का एक जटिल मिश्रण शामिल है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उम्र बढ़ने के साथ, हम अक्सर ऐसी कई गतिविधियों को करने में असमर्थ होने लगते हैं जो युवावस्था में बेहद आसान प्रतीत होती थीं। सोहा ने अपने विचारों को साझा



करते हुए कहा, हमें इस बात पर गहराई से सोचने की जरूरत है कि हम अपने शरीर को रोजमर्रा की जिंदगी में काम आने वाली गतिविधियों को करने के लिए कितनी बार प्रशिक्षित करते हैं। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती जाती है, यदि हम इन शारीरिक क्षमताओं को बनाए रखने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास नहीं करते हैं, तो हम स्वाभाविक रूप से उनमें से कुछ को खोने लगते हैं। और तब, रोजमर्रा की दिखने में बेहद सरल गतिविधियां भी अचानक से कठिन और चुनौतीपूर्ण लगने लगती हैं।

जैकी चैन की नकल करने में कमल हासन को हुए थे 32 फैक्चर



मुंबई (यशभारत)। बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों के मशहूर अभिनेता कमल हासन अपने करियर में कई चुनौतीपूर्ण किरदार निभा चुके हैं। अभिनय की प्रति कमल हासन का जुनून इतना गहरा रहा है कि एक बार तो अपने पसंदीदा एक्शन स्टार जैकी चैन की तरह खतरनाक स्टंट करने की कोशिश की, जिसमें अभिनेता बुरी तरह से घायल हो गए। कमल हासन को जैकी चैन की नकल करने में अपने शरीर में 32 फ्रैक्चर झेलने पड़े थे। कमल हासन ने इस चौंकाने वाले किस्से का जिक्र एक फिल्म के ऑडियो लॉन्च कार्यक्रम के दौरान किया था, जिसमें हॉलीवुड के मशहूर एक्शन स्टार जैकी चैन भी मौजूद थे। इस अवसर पर कमल हासन ने जैकी चैन के सामने उनसे जुड़ा अपना व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया था कि वह उनके स्टंट से किस कदर प्रभावित थे। जैकी चैन की तरह ही साहसिक एक्शन दृश्यों को करने की कोशिश में उन्होंने कई खतरनाक स्टंट किए और दुर्भाग्यवश इसी दौरान उनके शरीर में ये कई फ्रैक्चर हुए। कमल हासन ने मजाकिया लहजे में जैकी चैन से कहा था कि उन्हीं की वजह से उनके शरीर की यह हालत हुई है। इसके बाद उन्होंने जैकी चैन से उनसे साथ काम करने का अपना वादा पूरा करने का अनुरोध भी किया। दरअसल, कमल हासन और जैकी चैन की पहली मुलाकात भी काफी दिलचस्प रही थी, जहां उनकी बातचीत का एक प्रमुख विषय शरीर में आई चोटें भी थीं। कमल ने बताया था कि जैकी ने उनसे पूछा था कि उनके शरीर में कितनी हड्डियां टूट चुकी हैं, जिस पर कमल ने जवाब दिया था कि उनकी 32 हड्डियां टूट चुकी हैं। यह सुनकर जैकी ने हंसते हुए कहा था कि वह अभी उनसे काफी पीछे हैं। यह घटना कमल हासन के अपनी कला के प्रति अदम्य साहस और समर्पण को दर्शाती है। उन्होंने अपने पूरे फिल्मी सफर में हमेशा ऐसे किरदारों को चुना है, जिनमें शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर गहन तैयारी की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, उन्होंने फिल्म अप्पू राजा में एक बौने व्यक्ति का किरदार निभाने के लिए कैमरा एंगल और तकनीक पर बहुत काम किया था, ताकि यह किरदार वास्तविक लगे। फिल्म चाची 420 में उन्होंने एक महिला का रूप धारण किया, जिसके लिए उन्हें मेकअप, चाल-ढाल और बोलने के तरीके पर अत्यधिक मेहनत करनी पड़ी थी, जो एक पुरुष कलाकार के लिए असाधारण चुनौती थी। वहीं, उनकी फिल्म दशावतारम में उन्होंने एक साथ 10 अलग-अलग किरदार निभाकर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का अद्वितीय प्रदर्शन किया था, जिसे आज भी याद किया जाता है। कमल हासन का फिल्मी सफर बचपन में ही शुरू हो गया था। उन्होंने महज चार साल की उम्र में फिल्म कलाथुर कन्नम्मा से अभिनय की दुनिया में कदम रखा था।





बिना बुलेट प्रूफ शीशे के अमिताभ ने की प्रशंसकों से मुलाकात

मुंबई (यशभारत)। अपने मुंबई स्थित आवास के बाहर सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने प्रशंसकों से मुलाकात की, लेकिन वे इस बार बिना बुलेटप्रूफ शीशे के सामने आए। इस बार भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, लेकिन अभिनेता सीधे प्रशंसकों के सामने नजर आए। हाल ही में मिली धमकी के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई थी और पिछली मुलाकात के दौरान उनके तथा प्रशंसकों के बीच बुलेटप्रूफ शीशा लगाया गया था। इस रविवार उनके साथ बेटे अभिषेक बच्चन भी मौजूद थे। अमिताभ रंग-बिरंगी जैकेट पहने घर से बाहर आए और वहां मौजूद लोगों की ओर हाथ हिलाकर उनका अभिवादन किया। उनके पीछे अभिषेक बच्चन भी खड़े दिखाई दिए। इससे पहले अमिताभ और प्रशंसकों के बीच बुलेटप्रूफ शीशा लगाया गया था। अक्टूबर में मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े को ईमेल के जरिए अभिनेता के आवास और गायक दिलजीत दोसांझ के संगीत कार्यक्रम स्थल पर बम विस्फोट करने की धमकी मिली थी। इसके बाद अमिताभ बच्चन की सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। पिछली मुलाकात में सुरक्षा व्यवस्था के तहत बुलेटप्रूफ शीशे का इस्तेमाल किया गया था। दिवाली के अवसर पर अमिताभ ने अपने प्रशंसकों को शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने अपने निजी ब्लॉग पर त्योहार की बधाई देते हुए सभी के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। अभिनेता ने यह भी बताया कि प्रशंसकों की ओर से उन्हें इतने उपहार मिल रहे हैं कि उन्हें रखने के लिए जगह ढूंढ़ना मुश्किल हो रहा है।

लव गिल ने स्काउट ओपी के साथ अपने रिश्ते को बताया भाई-बहन

मुंबई (यशभारत)। लव गिल और स्काउट ओपी की दोस्ती रियलिटी शो बिग बॉस 20 में चर्चा का विषय बनी हुई है। इनकी दोस्ती को लेकर शो के घर के अंदर और बाहर कई बार सवाल उठ चुके हैं। अब नए प्रोमो में लव गिल ने स्काउट ओपी को एक खास ब्रेसलेट देकर अपने रिश्ते को भाई-बहन का नाम दिया है। इस दौरान लव ने कहा कि दुनिया उनके बारे में चाहे कुछ भी सोचे, उन्हें स्काउट पर पूरा भरोसा है और वह उन पर गर्व करती हैं।

प्रोमो में लव गिल स्काउट को ब्रेसलेट देती दिखाई देती हैं। वह कहती हैं कि राखी का त्योहार आया है और एक बहन के तौर पर वह उन्हें यह ब्रेसलेट देना चाहती हैं।

इसके बाद वह स्काउट से कहती हैं कि दूसरे लोग उनके रिश्ते के बारे में क्या सोचते हैं, इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। उन्हें स्काउट के बारे में सब कुछ पता है और उन्हें उन पर विश्वास है। लव की इन बातों के बाद दोनों के रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाएं



फिर तेज हो गई हैं। शो में दोनों अक्सर साथ समय बिताते नजर आते हैं। उनकी दोस्ती और आपसी नजदीकियों को लेकर घर के दूसरे सदस्यों ने भी सवाल उठाए हैं। ऐसे में लव का ब्रेसलेट देकर स्काउट को भाई जैसा बताना दर्शकों के लिए खास पल बन गया है। प्रोमो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर भी इस पर प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। इस बार बिग बॉस 20 का वीकेंड का वार दिवाली विशेष रहा। र्यक्रम में गायक मोहित चौहान, हार्डी संधू और जस्मीन सैंडलस ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। स्टैंडअप कॉमेडियन गौरव गुप्ता और करण जौहर भी घरवालों के साथ मस्ती करते दिखाई दिए। सलमान खान ने प्रतियोगियों से बातचीत की और शो के माहौल को मनोरंजक बनाया। शो की शुरुआत में 16 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया था।

अब तक रोहेद खान, ईशा रिखी, रीति तिवारी, अमन गांधी, वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी नकुल धुल उर्फ मिट्ठू डॉन और मैरी कॉम बाहर हो चुके हैं। इसके अलावा इस सप्ताह पंचायत से पहचान बनाने वाले आसिफ खान भी शो से बेघर हो गए।

वीवीआईपी मूवमेंट के चलते राजधानी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम, कई राज्यों के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री आज पहुंचेंगे भोपाल

भोपाल यश भारत।

राजधानी भोपाल में आज एक बार फिर बड़ा वीवीआईपी मूवमेंट रहेगा, जिसके चलते पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान की माताजी के त्रयोदशी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए देश भर से कई राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ राजनीतिक हस्तियां भोपाल पहुंच रही हैं। इस वीवीआईपी जमावड़े को लेकर शहर के प्रमुख मार्गों और कार्यक्रम स्थल के आसपास विशेष सतर्कता बरती जा रही है।प्रशासनिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, इस





गरिमामयी कार्यक्रम में देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के शामिल होने का आधिकारिक कार्यक्रम है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा भी विशेष रूप से भोपाल पहुंच रहे हैं।

कई राज्यों के कृषि मंत्री और दिग्गज नेता होंगे शामिल- विशिष्ट मेहमानों की सूची में उत्तर प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, बिहार और पंजाब के कृषि मंत्रियों के भी शामिल होने की पूरी संभावना है। वहीं, पश्चिम बंगाल से भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी भी इस आयोजन में शिरकत करने राजधानी आ रहे हैं।

सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

एक साथ देश के कई प्रमुख राजनेताओं, केंद्रीय मंत्रियों और मुख्यमंत्रियों के आगमन को देखते हुए खुफिया एजेंसियों और स्थानीय पुलिस प्रशासन को पूरी तरह अलर्ट कर दिया गया है। वीवीआईपी मूवमेंट, उनके काफिले के आवागमन के रास्तों और कार्यक्रम स्थल के आसपास सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

एमपी में नए डीजीपी की रेस

20 नवंबर को यूपीएससी की बैठक में तय होंगे नाम, 23 से पहले आ सकता है बड़ा फैसला

भोपाल, यशभारत।

मध्य प्रदेश के नए पुलिस महानिदेशक के चयन को लेकर प्रशासनिक गलियारों में काउंटडाउन शुरू हो गया है। संघ लोक सेवा आयोग ने इस अहम प्रक्रिया के तहत 20 नवंबर को दोपहर 3 बजे नई दिल्ली में उच्चस्तरीय बैठकबुलाई है। इस बैठक में प्रदेश के नए पुलिस मुखिया के लिए योग्य नामों पर मंथन किया जाएगा, जिसके बाद तीन वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों का पैनल तैयार कर राज्य सरकार को भेजा जाएगा।

बैठक में तय होगी राज्य के अगले मुखिया की तस्वीर

दिल्ली में होने वाली इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रशासनिक स्तर पर कई दिग्गज शामिल होंगे। इनमें मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव (गृह) संजय शुक्लाऔर वर्तमान डीजीपी कैलाश मकवाणा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। यूपीएससी की मुहर लगने के बाद तैयार होने वाले तीन नामों के पैनल में से ही राज्य सरकार किसी एक अनुभवी चेहरे को प्रदेश की कमान सौंपेगी।

इस चयन प्रक्रिया के समीकरणों में एक अहम बदलाव भी देखने को मिला है। शुरुआती सूची में 12 आईपीएस अधिकारियों के नाम शामिल थे, लेकिन विशेष पुलिस महानिदेशक जी. अखोटे द्वारा अपनी दावेदारी वापस लिए जाने के बाद अब मैदान में 11 वरिष्ठ अधिकारी ही बचे हैं। 20 नवंबर को होने वाली बैठक में इन्हीं 11 अधिकारियों की वरिष्ठता, उत्कृष्ट सेवा रिकॉर्ड और पात्रता के मानकों पर बारीकी से समीक्षा होगी।



रेस में जिन प्रमुख नामों पर सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, उनमें:

विशेष पुलिस महानिदेशक उपेंद्र जैन
प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव
वरुण कपूर
पंकज श्रीवास्तव
आदर्श कटियार
सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। हालांकि, अंतिम मुहर यूपीएससी के पैनल पर ही निर्भर करेगी।

23 नवंबर से पहले आ सकता है बड़ा प्रशासनिक फैसला

इस पूरी प्रक्रिया में 23 नवंबर की तारीख बेहद अहम मानी जा रही है। दरअसल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 23 नवंबर को एक महत्वपूर्ण विदेश दौरे पर रवाना होने वाले हैं। ऐसे में प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में इस बात के कयास तेज हो गए हैं कि मुख्यमंत्री के विदेश दौरे से ठीक पहले नए डीजीपी के नाम का औपचारिक ऐलान किया जा सकता है, ताकि कार्यभार संभालने की प्रक्रिया बिना किसी रुकावट के पूरी हो सके। फिलहाल, सभी की निगाहें 20 नवंबर को दिल्ली में होने वाली बैठक पर टिकी हैं।

शाहपुरा की मल्टी में देर रात जमकर उत्पात, वाहनों में तोड़फोड़ और रहवासियों को धमकी

रात 2:30 बजे शुरू हुआ हंगामा, विरोध करने पर गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी

भोपाल , यश भारत।

शाहपुरा थाना क्षेत्र के इंद्रानगर स्थित मल्टी में देर रात कुछ लोगों ने जमकर हंगामा किया। आरोप है कि बदमाशों ने मल्टी के बाहर खड़ी बाइक और लोडिंग ऑटो में तोड़फोड़ की। विरोध करने पर फरियादी के साथ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी भी दी गई। मामले में राकेश यादव की शिकायत पर शाहपुरा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत के मुताबिक घटना रात करीब 2:30 बजे की है।

फरियादी की शिकायत पर FIR दर्ज

फरियादी राकेश यादव ने घर के नीचे चिल्लाने की आवाज सुनी तो बाहर निकलकर देखा। वहां सचिन हिरे उर्फ अंजू और जय सिंह तोमर उर्फ चमन कथित तौर पर बाइक और लोडिंग ऑटो में तोड़फोड़ कर रहे थे। जब फरियादी ने इसका विरोध किया तो आरोपियों ने उसके साथ गाली गलौज की और जान से मारने की



धमकी दी। शिकायत में आगे बताया गया कि सुबह करीब 4:30 बजे रोहित पुवारे, सुमित सांकलें, सतीश सांवले और राहुल मीणा भी मौके पर पहुंचे। आरोप है कि इन लोगों ने मल्टी के बाहर खड़े वाहनों में दोबारा तोड़फोड़ की और रहवासियों को जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद दहशत के चलते फरियादी उसी दिन थाने में शिकायत दर्ज कराने नहीं पहुंच सका। बाद में उसने शाहपुरा थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपों की जांच शुरू कर दी है।

अमिताभ बच्चन की 95 वर्षीय सास इंदिरा भादुड़ी की तबीयत बिगड़ी, भोपाल के पारुल अस्पताल में भर्ती

भोपाल, यशभारत। सुपरस्टार अमिताभ बच्चन की 95 वर्षीय सास और जया बच्चन की माता इंदिरा भादुड़ी की तबीयत अचानक बिगड़ गई है, जिसके बाद उन्हें भोपाल के पारुल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। परिजनों के अनुसार, उन्हें एलर्जी की शिकायत है। यह परेशानी उन्हें बीच-बीच में सामने आती है, और स्वास्थ्य अधिक बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल लाया गया। फिलहाल उनकी सेहत में सुधार बताया जा रहा है और डॉक्टर लगातार उनकी रिकवरी पर नजर बनाए हुए हैं। अस्पताल से उन्हें कब छुट्टी मिलेगी, इस पर अभी



कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। डॉक्टरों का कहना है कि स्वास्थ्य में सुधार और रिकवरी के आधार पर ही आगे का निर्णय लिया जाएगा। गौरतलब है कि इंदिरा भादुड़ी का परिवार शहर के श्यामला हिल्स स्थित अंसल अपार्टमेंट में रहता है। इससे पहले फरवरी 2020 में अमिताभ बच्चन अपनी सास का 90वां जन्मदिन मनाने भोपाल आए थे। वहीं, अक्टूबर 2024 में भी तबीयत बिगड़ने पर जया बच्चन और अभिषेक बच्चन भोपाल पहुंचे थे।

यात्रियों की आड़ में नशा तस्करी: बस-ट्रेन के बाद अब होटल के कमरे बने सेफ जोन

भोपाल, यशभारत। राजधानी में नशे का कारोबार अब नए और बेहद शातिर तरीकों से पैर पसार रहा है। सुरक्षा एजेंसियों और पुलिस की सख्ती के बाद ड्रग्स तस्करों ने पार्सल सेवाओं के बजाय यात्री परिवहन और निजी कमरों को अपना नया ठिकाना बना लिया है। तस्कर अब लंबी दूरी की बसों और ट्रेनों में आम यात्रियों के बीच सफर करते हुए करोड़ों का नशा खपा रहे हैं, वहीं स्थानीय स्तर पर होटलों को डिलीवरी पॉइंट के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। पुलिस और डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस द्वारा सितंबर से नवंबर के बीच की गई 9 बड़ी कार्रवाइयों में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। इस अवधि में कुल 27 किलो 692 ग्राम से अधिक नशीले पदार्थ जब्त किए गए हैं, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 20



करोड़ रुपए से ज्यादा आंकी गई है।

हॉर्लिक्स के जार और यात्रियों के बैग बने तस्करी का जरिया- जांच में सामने आया है कि अंतरराज्यीय तस्कर कानून की आंखों में धूल झोकने के लिए सार्वजनिक परिवहन का धड़ल्ले से उपयोग कर रहे हैं। दिल्ली से बेंगलुरु जाने वाली बस हो, दिल्ली-भोपाल रूट हो या चेन्नई से दिल्ली जाने वाली ट्रेन, तस्कर यात्रियों के बीच सामान्य बैग और पैकेट में ड्रग्स लेकर चल रहे हैं। हाल ही में चेन्नई से दिल्ली आ रही ट्रेन में एक महिला तस्कर के पास से हॉर्लिक्स के जार में छिपाई गई 591 ग्राम कोकीन कीमत लगभग 2.96 करोड़ रुपएबरामद हुई। वहीं, दिल्ली-भोपाल रूट की बसों से एम्फेटामाइन और मेथामफेटामाइन जैसी सिंथेटिक ड्रग्स भारी मात्रा में पकड़ी गई हैं।

बागसेवनिया होटल कार्रवाईः ग्राहक का इंतजार कर रहा युवक गिरफ्तार- परिवहन के माध्यमों के अलावा स्थानीय स्तर पर होटलों की आड़ में अवैध कारोबार चल रहा है। इस कड़ी में ताजा कार्रवाई करते हुए भोपाल क्राइम ब्रांच ने बागसेवनिया इलाके के एक होटलमें दबिश दी। पुलिस ने अनिल राठौर 34 वर्ष, निवासी सीहोर को गिरफ्तार किया है, जो होटल के कमरे में एमडीड्रग्स रखकर ग्राहकों का इंतजार कर रहा था। आरोपी के पास से मोबाइल और अन्य सामग्री जब्त कर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। एजेंसियों द्वारा पकड़ी गई खेप में एम्फेटामाइन, मेथामफेटामाइन, कोकीन और एमडी जैसे खतरनाक नशीले पदार्थ शामिल हैं। पुलिस अब वड़ोदरा से एमडी लाकर शहर के पॉश इलाकों, क्लबों और बारों में सप्लाई करने वाले तथा होटलोंसे संचालन करने वाले इस पूरे सिंडिकेट के मुख्य सरगनाओं और अन्य चेहरों की तलाश में जुटी है।

भोपाल में अब मेट्रो सफर हुआ स्मार्ट

आज से एनसीएमसी कार्ड और क्यूआर टिकटिंग की सुविधा शुरू, कतारों से मिली मुक्ति

भोपाल, यशभारत।

राजधानीवासियों के लिए सार्वजनिक परिवहन का सफर अब और अधिक आधुनिक और सुविधाजनक हो गया है। भोपाल और इंदौर मेट्रो में आज से नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड की सुविधा आधिकारिक रूप से शुरू कर दी गई है। इस नई व्यवस्था के तहत यात्रियों को अब हर बार टिकट काउंटर पर लंबी लाइनों में खड़े होने की जरूरत नहीं पड़ेगी। एटीएम कार्ड की तर्ज पर मिलने वाले इस स्मार्ट कार्ड के जरिए यात्री आसानी से मेट्रो स्टेशनों पर आ जा सकेंगे। मेट्रो प्रबंधन के अनुसार, एनसीएमसी कार्ड प्राप्त करने के लिए यात्रियों को चुनिंदा स्टेशनों के टिकट काउंटरों पर 50 रुपये नॉन-रिफंडेबल का शुल्क देना होगा। एक बार कार्ड बन जाने के बाद इसे अपनी जरूरत के हिसाब से रिचार्ज कराया जा सकता है। इस कार्ड की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसका उपयोग सिर्फ भोपाल और इंदौर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश के अन्य महानगरों जैसे दिल्ली और मुंबई में भी जहां एनसीएमसी व्यवस्था लागू है, वहां इसका बेझिझक इस्तेमाल किया जा सकेगा। भोपाल में सुभाषनगर, केंद्रीय विद्यालय, डीबी मॉल, एमपी नगर, रानी



कमलापति, डीआरएम तिराहा, अलकापुरी और एम्स स्टेशनों पर यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

मात्र 30 सेकंड में स्वतः प्राप्त करें क्यूआर टिकट

स्मार्ट कार्ड के अलावा जो यात्री डिजिटल माध्यम से तुरंत सफर करना चाहते हैं, उनके लिए स्टेशनों पर टिकट वेंडिंग मशीनें भी चालू कर दी गई हैं। इन मशीनों पर स्क्रीन के जरिए व्हह्व4 त्तक्र ञ्जह्वष्द्यद्गह्ल का विकल्प चुनकर और यूपीआई से भुगतान कर महज 30 सेकंड के भीतर अपना क्यूआर टिकट प्राप्त किया जा सकता है।

किराए में विशेष छूट और रियायतें

यात्रियों को प्रोत्साहित करने के लिए मेट्रो प्रशासन द्वारा किराए में विशेष छूट दी जा रही है। एनसीएमसी कार्ड या सिंगल जर्नी टिकट से यात्रा करने पर 25 प्रतिशत की छूट मिल रही है, जो उन यात्राओं पर लागू होगी जिनका किराया 20 रुपये से अधिक है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा 31 दिसंबर 2026 तक विशेष प्रमोशनल डिस्काउंट दिए जा रहे हैं, जिसके तहत रिटर्न जर्नी टिकट पर 30%, ग्रुप टिकट पर 35% और ई-वॉलेट रिचार्ज पर 8 से 15% तक अतिरिक्त बोनस का लाभ मिल रहा है। इन उन्नत तकनीकी सुविधाओं के शुरू होने से दैनिक यात्रियों का सफर बेहद सुगम और समय बचाने वाला साबित होगा।

गोविन्दपुरा में 10 किलो गांजे के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

भोपाल, यशभारत। राजधानी की क्राइम ब्रांच पुलिस ने गोविन्दपुरा इलाके में 10 किलो 100 ग्राम अवैध गांजे के साथ एक महिला तस्कर को धर-दबोचा है। जप्त किए गए मादक पदार्थ की कुल कीमत करीब 3 लाख रुपये आंकी गई है। आरोपी महिला शहर में इस गांजे की बड़ी खेप खपाने की फिराक में थी। क्राइम ब्रांच थाना प्रभारी अशोक मरावी ने बताया कि पुलिस टीम को मुखबिर के जरिए अत्यंत गोपनीय सूचना मिली थी कि गोविन्दपुरा क्षेत्र स्थित कस्तुरबा अस्पताल के सामने हनुमान मंदिर के पास एक संदिग्ध महिला हाथ में झोला लिए बैठी है। सूचना में बताया गया कि वह किसी ग्राहक का इंतजार कर रही है। इस पर क्राइम ब्रांच की टीम ने तुरंत बताए गए स्थान पर पहुंचकर दीवार की आड़ से घेराबंदी की और हुलिया के आधार पर महिला को दबोच लिया। पकड़ी गई महिला से जब पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम किरण अहिरवार उम्र 60 वर्ष, निवासी मकान नंबर 04, गली नंबर 02, कैंची छोला भोपाल बताया। महिला के पास मौजूद झोले की तलाशी लेने पर उसके अंदर पारदर्शी प्लास्टिक की



पन्नी में तीव्र गंधयुक्त वनस्पति पदार्थ (गांजा) मिला। तौल करने पर मादक पदार्थ का कुल वजन 10.100 किलोग्राम पाया गया है। पुलिस पूछताछ और रिकॉर्ड खंगालने पर सामने आया कि आरोपिया किरण अहिरवार आदतन अपराधी है और इसके खिलाफ पूर्व में भी विभिन्न थानों में एनडीपीएस एक्ट के तहत गंभीर मामले दर्ज हैं पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ थाना क्राइम ब्रांच में एनडीपीएस एक्ट तहत नया प्रकरण दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है ताकि इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों तक भी पहुंचा जा सके।

पॉश कॉलोनियों में सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

एयरो सिटी में चोरों ने विला डी-111 को बनाया निशाना

भोपाल, यशभारत।

राजधानी के पॉश इलाकों में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। ताजा मामला गांधी नगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली एयरो सिटी का है, जहाँ सेक्टर-डी स्थित विला नंबर डी-111 को चोरों ने बीती रात अपना निशाना बनाया। रात करीब 2 बजे हुई इस वारदात ने एक बार फिर रिहायशी इलाकों की सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस की रात्रि गश्त की पोल खोल दी है। मिली जानकारी के अनुसार, सुनियोजित तरीके से दी गई इस चोरी की घटना से स्थानीय रहवासियों में भारी आक्रोश और असुरक्षा का माहौल है। पॉश कॉलोनियों में इस तरह की सेंधमारी यह सोचने पर मजबूर करती है कि जब वीआईपी और पॉश इलाके ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम बस्तियों का



क्या हाल होगा। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुँची और मामले की तफ्तीश शुरू कर दी है। हालांकि, घर से किन-किन कीमती सामानों या नकदी की चोरी हुई है, इसका आधिकारिक खुलासा अभी तक नहीं हो सका है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि चोरों के आने-जाने के रास्तों और उनकी पहचान का सुराग मिल सके। क्षेत्रवासियों ने पुलिस प्रशासन से रात के समय गश्त बढ़ाने और संदिग्धों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।



स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष कुमार शुक्ला द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा. लि. करौंद बाईपास रोड भानपुर भोपाल मप्र से मुद्रित , 3 इन्द्रा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल महेश्वरी मार्ग एमपी नगर, जोन 1 भोपाल से प्रकाशित, संपादक अम्बरीष तिवारी *, सलाहकार संपादक श्याम कटारे।
फोन - 9111201000, डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2025-27 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2015/60766- email - bhopalyashbharat02@gmail.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)